




मेघनाद



सुपरकमांडो ध्रुव

ABHISHEK
BISHWAJAYA



आई एम सॉरी
इवेता! पर अगर तुम
एक सुपर हीरो के खिलाफ
जाओगी तो तुम उसके
दुश्मनों में शामिल मानी
जाओगी!

और जो सुपर हीरो
स्पाइडर का दुश्मन है,
वह मानवता का दुश्मन
है!

और जो मानवता
का दुश्मन है, उसका
मिट जाना ही उचित
है!

ये
दिन! होश
में आ!

तु ये सुपर
हीरो वाला ब्रामा
कुछ ज्यादा खींच
रहा है!

अगर तू अभी
भी मुझे अपना दोस्त
समझता है तो अस्पताल
चल! वहां तेरा कोई
न कोई इलाज जरूर
निकल आएगा!

बर्ना आज
से तेरा नया पता
'जेल' होगा!

जेल! हाहाहा!
स्पाइडर का पता अब से
न घर होगा, न अस्पताल
और न ही जेल!

मैं अपनी एक नई
गुप्त जगह बनाऊंगा!
बैटमैन की तरह! और
उसका नाम होगा...

ओफ़! ये मैं किस चक्कर में पड़ गई!... मैं तो यहाँ इंग्लैंड के क्रैम्बिज में हायर स्टडीज के लिये मम्मी-पापा और भइया को अपने दिल पर पत्थर रखकर छोड़कर आई थी!

“लेकिन प्लेन के उड़ते ही मुझे पता चल गया कि भइया मेरा पीछा इतनी जल्दी छोड़ने वाला नहीं था-”

“और जहाँ भइया जाएगा-”

“वहाँ पर मुसीबतें तो बिना दूँदें ही मिल जाएंगी-”

हेऽऽऽ

बिना हमको हराए तुम आगे नहीं जा सकते!

जैसी आपकी मर्जी!

“बेइ मिस्टेक! भइया को चैलेंज?”

“रबेर! भाई को चैलेंज तो जीतना ही था! पर ये सब हुआ था इन लड़कों से दिन को बचाने के चक्कर में-”

“डिन! देखने में तो ऐसा कि छींके तो अपनी ही आवाज से डर जाए! पर स्वभाव था सुपर हीरो बनने का-”

मुझे सुपर हीरो बनने की ट्रेनिंग दोगे?

पढ़ाई पर ध्यान दो, डिन!

“पर दिन के सिर पर तो भूत या कहें कि सुपर हीरो सवार हो गया था-”

“वह सुपर हीरोज का उतना ही दीवाना था जितना कि अपने विषय माइक्रो बायोलॉजी का-”

“शायद इसी नॉलेज ने उसे-”

“स्पाइडर बना दिया-”

“रेडियो-एक्टिव परिवेश में रही एक मकड़ी ने उसे काटकर उसके सपने को मूर्त रूप दे दिया-”

“और हम सबके लिये एक दुःस्वप्न की शुरुआत हो गई-”

ओsss! होश में आ, इवेता! ज्यादा 'पास्ट' में जासगी तो खुद 'पास्ट टेंस' बन जासगी!

ये सब भइया का करा-घरा है! उसी के कारण उस दिन के अंदर सुपर हीरो बनने का उबाल आया है!

इवेता का ख्याल कुछ हद तक सही था-

क्योंकि उसी दिन सुबह जब ध्रुव अपने दादा से मिलने पहुंचा था, तो-

दादाजी!

दादाजी! आप कहां हैं?

अरे, घर पर कोई है या नहीं?

घर में तो सन्नाटा है! दादाजी को ताकजी अस्पताल ले गए हैं क्या?

ही इज अपस्टेवर्स!

उसके कारण मैं यहां पर मरी जा रही हूँ, और वह प्रॉंस में दादाजी के साथ मस्ती कर रहा होगा!

हे हे हे!

हू आर यू?

ये कौन सा लैंग्वेज बोलता है?

व्हाट वाबा? बच्चे का माफिक क्यों बोलता है? व्हाट डू यू वांट?

अरे! गैडफादर! ओल्डमैन! व्हेयर इज ही? इज ही ओ.के.?

अरे! रुक-रुक स्टेयर्स चढ़! तीन-तीन करके चढ़ेगा तो तू हॉस्पिटल पहुंच जासगा! पर तू है कौन?



दादाजी!

कैसे हैं आप?
ओ, आप तो बेड
पर हैं!

कैसी तबीयत
है आपकी? डॉक्टर
को दिरवाया क्या?

क्या दिरवाना
बेटा! अच्छा हुआ कि
तु सही समय पर आ
गया!

अब तो
बस जाने का
वक्त आ गया
है!



जाने का वक्त?
ओ माई गॉड!
आप सेसे नहीं जा
सकते, दादाजी!

आप मुझे
छोड़कर नहीं जा
सकते!



तुमको लेकर जाऊंगा बेटे!
और सेसे क्यों नहीं जा सकते?
मैंने सूट तो पहन रखा
है न!

तो सच्ची खबर
भेजता क्या? अरे,
तु मेरा पोता है या
मेरा दुश्मन है!

मेरा वो मतलब
नहीं था दादाजी!

मतलब
ऐसा क्या हो गया
जो आपको मुझे
इस तरह से
बुलाना पड़ा!

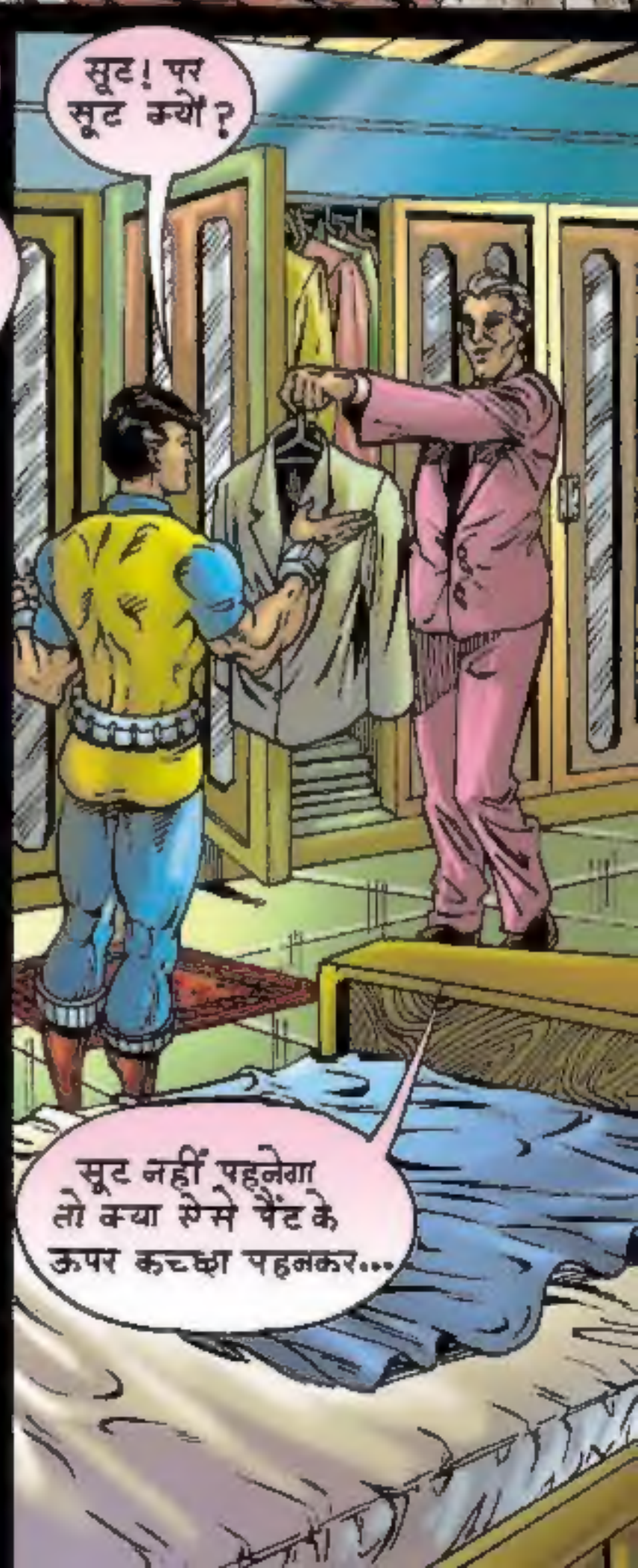
वैसे कूड़ी खबर
भेजता या सच्ची!
तू आता तो जरूर!
आता न?

व्हाट! आप तो
रुकवम फिट हैं! थैंक
गॉड! पर ये सब क्या
है?

आपने
बीमारी की कूड़ी
खबर क्यों
भेजी?

फटाफट
बुलाने का स्क,
यही तरीका
समझ में
आया!

पर बस!
अब चल! सूट
पहनकर तैयार
हो जा!



सूट! पर
सूट क्यों?

सूट नहीं पहनेगा
तो क्या सेसे पैंट के
ऊपर कच्छा पहनकर...

“... अपने ताऊ की शादी में शामिल होगा?
अरे हमारी तरफ से ले दे के तू ही तो रूक
बाराती है-”

“ शादी ! ताऊजी को इस उम्र
में शादी की क्या सूझी ? ”

“ ये इंडिया नहीं फ्रांस है,
ध्रुव ! यहां पर हर उम्र में
शादी होती है ! इनका
बस चलने लगे मरने के बाद
भी शादी कर लें-”

“ सॉरी, सॉरी ! मजाक कर
रहा था ! दरअसल रघुपति
को लॉरेटा से शादी करनी
पड़ गई ! लॉरेटा के बच्चे
के कारण- ”

“ ओ गॉड !
यानी लॉरेटा मतलब
होने वाली ताई, माँ
बनने वाली थी- ”

चुप ! बिना पूरी बात
सुने बोलना शुरू कर
देता है !

सॉरी,
दादाजी !

लॉरेटा का
बेटा कॉलेज
में पढ़ता है !

रघुपति की उसके परिवार
से पुरानी जान-पहचान है !
उसका बेटा रघुपति से बहुत
हिला-मिला है !

ये शादी भी
उसी के कारण हो
रही है !

वह बिगड़ने
लगा था ! सिर्फ
रघुपति की बात
सुनता था !

इसीलिए लॉरेटा और
रघुपति ने शादी का फैसला
कर लिया ! ताकि उसका बेटा
रघुपति के पास रहकर
सुधर सके !

और लॉरेटा
ताई के पहले
पति !

दस साल
पहले उसका
अपहरण हो गया
था ! फिर वह
वापस आया
ही नहीं !

ओह ! और
ताई का बेटा
कहाँ है ?

उसको
बुलाया तो
गया था !



पर लगता है कि वह अभी तक सुधरा नहीं है! अरे कम से कम अपनी मां की शादी में तो आना चाहिये न!

क्रैम्बिज यहां से है ही कितनी दूर?

वह रग्बी खेलता है? क्या नाम है, उसका?

फिट्ज!

चोट! तुम्हें कैसे पता कि उसको चोट लगी है?

क्रैम्बिज! वह क्रैम्बिज में पढ़ता है?

अरे, पढ़ता कहाँ होगा। उसका रग्बी की टीम में सेलेक्शन हो गया है तो...

फिट्ज! ओ गॉड! कहीं उसको ज्यादा चोट तो नहीं लग गई?

सुझसे ही लगी है, न!



पर... मेरी गलती नहीं थी दादाजी! मैं तो इवेला को धोड़ने गर्ल्स होस्टल तक जा रहा था!

उसने दोस्तों के साथ मुझे रोका और रग्बी में हारने की डार्त लगा दी! बस... उसी में उसको जरा सी चोट आ गई!

हाहाहाहा!

आप हंस क्यों रहे हैं दादाजी!

अब लाउ के साथ-साथ भतीजा भी फिट्ज को सुधारने का काम करने लगा है!

व्हाट?

पर मेरी गलती...

पर रग्बी में तो रेसी चोटें लगती ही रहती हैं! उसके न आने का कारण जरूर कुछ और है!... लॉरेटा कह रही थी कि उसका मोबाइल भी बंद है!



आई
डू!

अब आप दोनों पति-
पत्नी हैं! लाऊ यू में
किम द ब्राइड!



अब फिट्ज तेरा
सौतेला भाई बन गया
है! जा लाऊ और नई
लाई को बधाई दे
आ!



प्रणाम, लाऊजी!
प्रणाम लाईजी!

आप दोनों को
बहुत-बहुत बधाई
हो!

अरे! उठो
उठो! ये चिड़िया
नहीं फ्रांस है!



पर मेरे संस्कार तो भारतीय
हैं लाऊजी! वैसे भी बड़ों के आगे
भुक्कने से इज्जत घटती
नहीं, बढ़ती है!

बिल्कुल रघुवंशी की
जबान बोलता है न!
मेरे आगे से लगता है जैसे
मेरा भाई फिर से
आ गया!

मुझे डर
है!



अ... वो लाईजी
जो फिट्ज है न...

हां हां!
फिट्ज क्या?



अरे... अरे! ये चिड़िया
कहां से आ गई?

ये चिड़िया नहीं
तोता है!

तोता चिड़िया नहीं
तो क्या मछली होता
है!

पर ये
अंदर क्यों घुसा
आ रहा है?



काकातुआ!

सौरी चार!
तुमसे मिल नहीं
पाया! जल्दी में
था!

पर तुमसे
रहा नहीं
गया!

तु मुझसे
मिलने यहां पर
चला आया!

क्या कहा?

टांय, टांय!



टांय, टांय,
टांय!

व्हाट! तुम
कैसे पता चला?

टांय, टांय,
टांय!

उधर से आने
वाली चिड़ियों के झुंड
की बातें तुने सुनी है!



मुझे जाना
होगा दादाजी! सौरी
ताऊजी कि मैं रुक
नहीं पा रहा हूँ!

अरे, पर
हुआ क्या
है?

कैम्बिज सिटी
में कुछ गड़बड़
हुई है!

चिड़ियों
का झुंड 'राक्षस'
नाम ले रहा
था!

मुझे तुरन्त
कैम्बिज के लिए
निकलना होगा!



कैम्बिज में हमारे दो-
दो बच्चे पढ़ते हैं ध्रुव!

इवेता और
फिद्रज!

तुम चिन्ता मत
करो! तुम चलो और
हम भी पीछे-पीछे
आते हैं!

मैं तुम्हारे लिए
हैलीकॉप्टर का इंतजाम
करता हूँ!



इवेता, इवेता,
कम ऑन! मोबाइल
उठाओ! उठाओ!



भइया!
तुम कहाँ
हो?



जल्दी
आ...

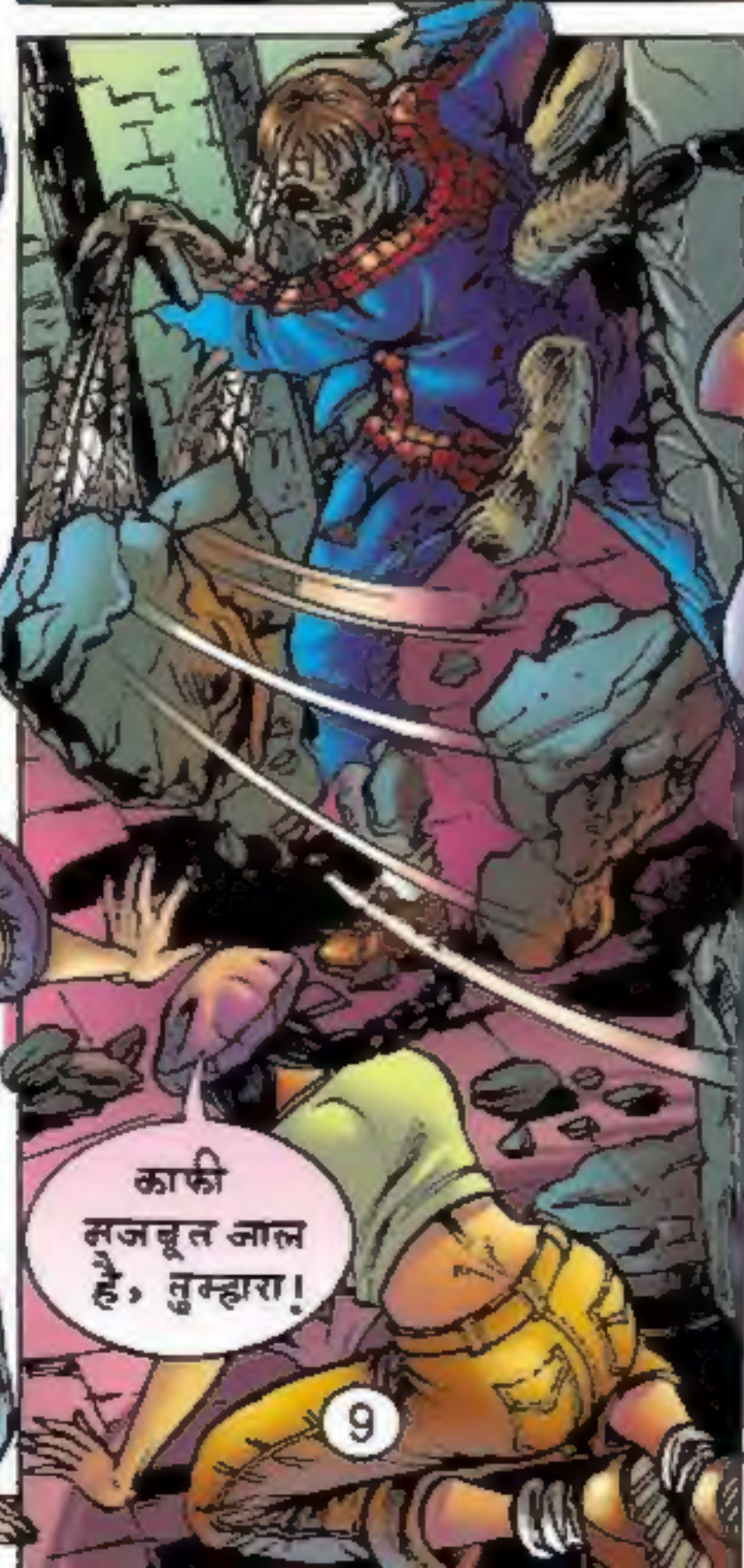


इवेता ... कर्रर...

ध्रुव का समय
खत्म हो चुका है! अब
सिर्फ एक ही सुपर हीरो
है!...



... स्पाइडर!



काफी
मजबूत जाल
है, तुम्हारा!



इसीलिए
मेरा खयाल है
कि...

ये तुमको
बांधने के लिए...



... काफी होगा!

अफसोस कि तुम्हारा
सुपर हीरो का कैरियर
टिकाऊ साबित नहीं
हुआ!

स्पाइडर को सुपर हीरो
बनने से कुछ भी नहीं
रोक सकता है!

न शैतान
और न ही
अगस्त्य!

अब मैं पहले तुम्हें
यह दिखाऊंगा कि स्पाइडर
एक सुपर हीरो कैसे बनता
है!



पर ये चैलेंज
देकर तुम्हें अपनी जान
कुछ दिनों के लिए बचा
ली है, इवेता!

और फिर मैं
केक की जगह तुम्हें
काटकर उसका जड़न
सनाऊंगा!

अब चलता हूँ!
आज स्पाइडर दि सुपर
हीरो को अपना डेब्यू
झोंट देना है!

दुनिया की कई दूसरी यूनिवर्सिटीज की
तरह क्रैम्बिज में भी नशे के सौदागरों की
अच्छी-खासी घुसपैठ थी-

पुलिस डिपार्टमेंट के अंदर तक-

जबन वाला प्योर
माल है! फिफ्टी
परसेंट डिस्काउंट पर!
सक झोंट कोकीन
सिर्फ दस पाउंड
में!

चल हट! हवा आने
दे! तेरे पीछे ग्राहकों
की लाइन लगा रही
है!

पर... पर मुझे कोकीन
नहीं मिली तो मैं मर
जाऊंगा!

दस पाउंड!
ये तो बहुत ज्यादा
हैं, यार!

मेरे पास
तो सिर्फ पांच
पाउंड हैं!

यही प्रॉब्लम
है तुम कॉलेज स्टूडेंट्स
के साथ घंटा करने में!
हमेशा कंगालों से पाला
पड़ता है!

सक ग्राहक
कम हो जायगा?
अच्छा, चल!

पांच
पाउंड उधार
रहे!

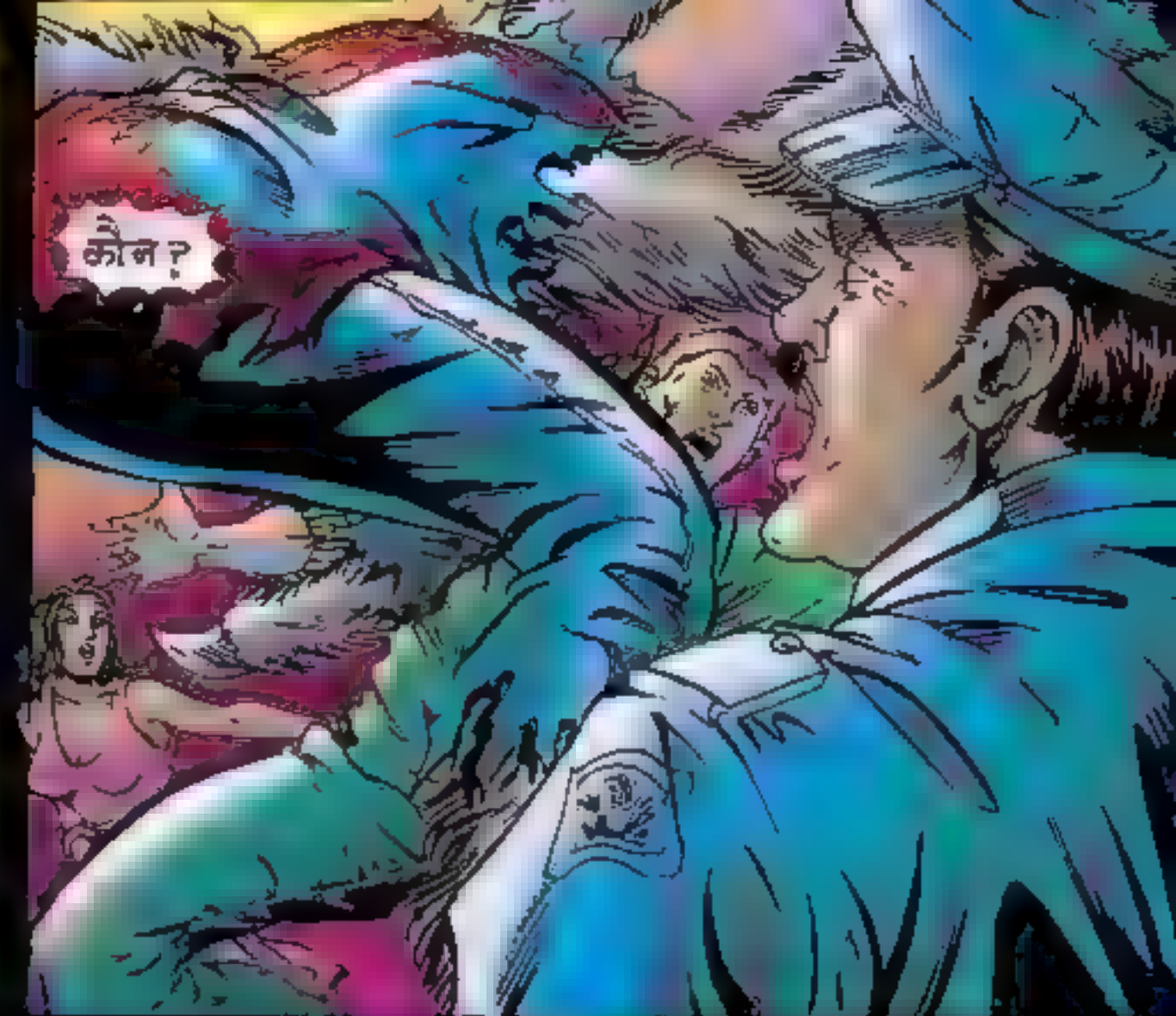
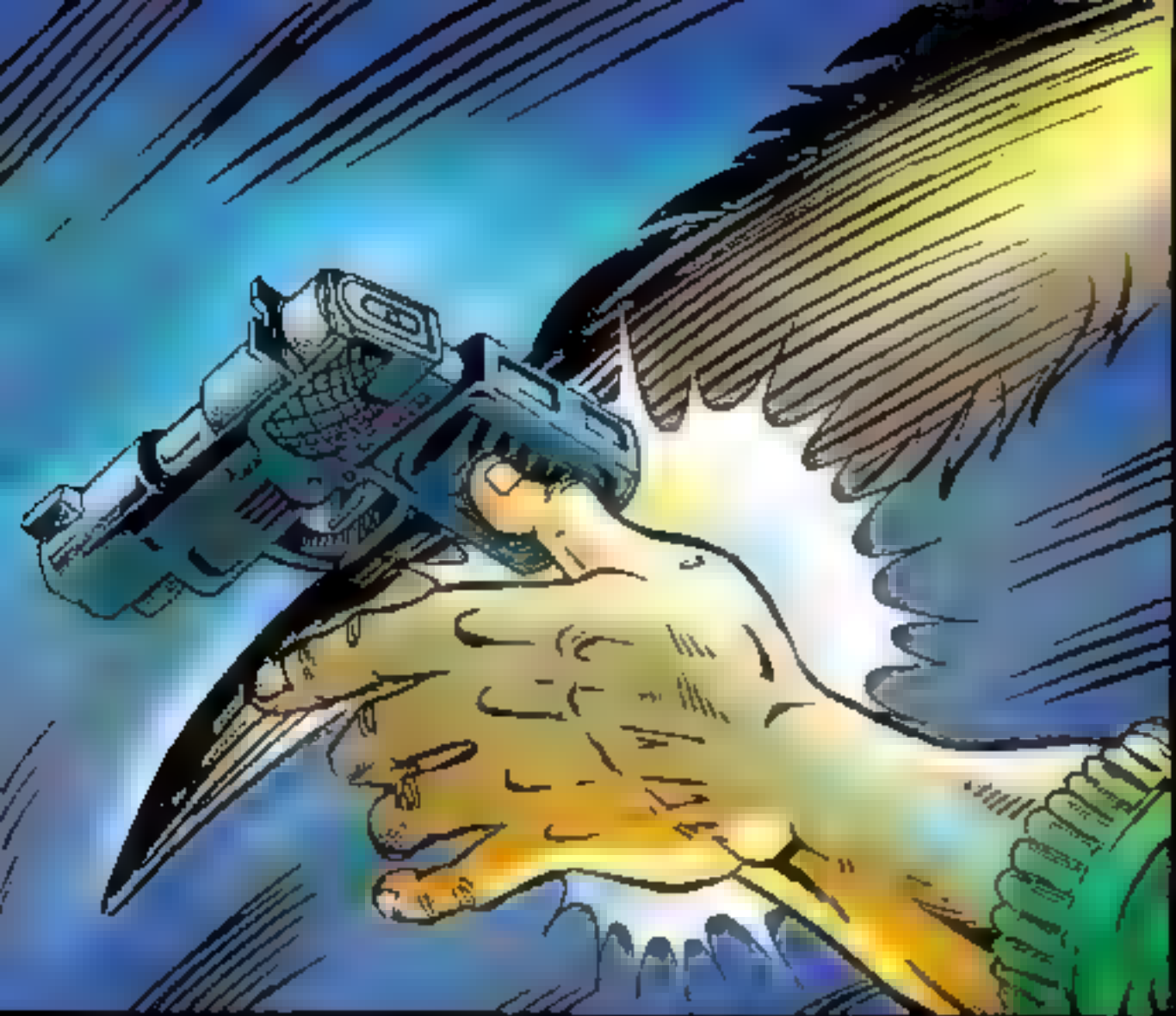
स्पेशल रजेंट
स्मिथ डेकन!
नारकोटिक सेल!

नाउ, यू आर
अंडर अरेस्ट
इंस्पेक्टर विली!

थैंक्स!

ये
ले!

ये क्या? तु...
तु पुलिस वाले को हथकड़ी
लगाने की हिम्मत कर
रहा है!



स्पाइडर! आज
कैम्बिज का सुपर हीरो
है और कल दुनिया का
होगा!

पर नू ये बता कि
कानून के रखवाले पर
पिस्तोल तानने बाधा नू
कौन है?

स्पेशल
नारकोटिक एजेंट
स्मिथ!

और ये कानून
का रक्षक नहीं,
भक्षक है!

वर्दी की आड़
में नशे का कारोबार
करता है!

स्टूडेंट्स को
ड्रग्स बेचता
है!

हम! ड्रग्स
बेचता हूँ! वह
भी स्टूडेंट्स को!

बिल्कुल!





तुम्हारे पास कितने पैसे हैं?

एक भी नहीं! चाकू भी उधार पर लाया हूँ!

और तुम्हारे पास?

दो-तीन सौ पाउंड होंगे!

ये अन्याय है! सौ पाउंड इसे दे दो!

पर ये तो...



समाज में समानता होनी चाहिए! और जो 'सामाजिक-समानता' में विश्वास नहीं करता वह अपराधी है!

पचास पाउंड से काम चल जाएगा?

ये तो कलियुगी सुपर हीरो है। क्या होगा इस दुनिया का?

और अपराधी स्पाइडर के दुश्मन हैं! क्योंकि स्पाइडर एक सुपर हीरो है!



सौ!

दिए। नीचे उतारो!

आओ और जाकर सभी अपने जैसे गरीबों को बता दो कि उनका नया सुपर हीरो स्पाइडर आ गया है। अब समाज में अन्याय नहीं रहेगा!

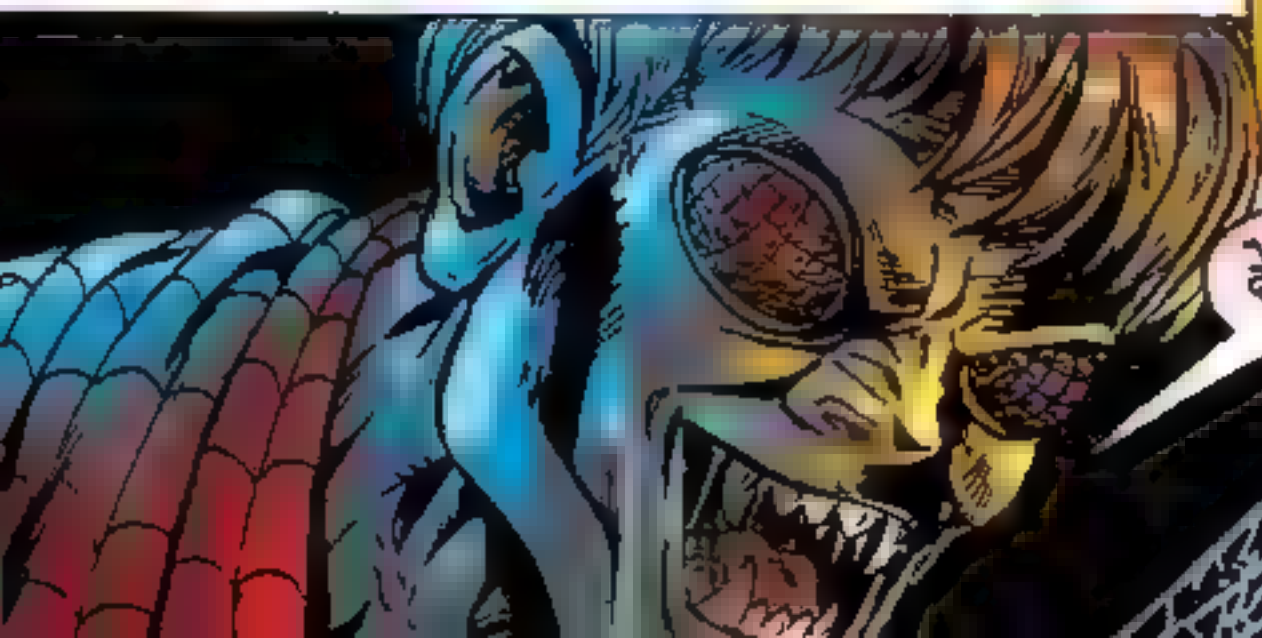
बताना क्या? मैं तो टिंटेरा पीटूंगा!

स्पाइडर जित्वाबाद!



देरवा?

स्पाइडर कितनी फटाफट पापुलर हो रहा है!





एक नए किस्म का नया सुपर हीरो जन्म ले रहा था-



इसीलिए पुराने सुपर हीरोज का अंत होना तो तय था-

क्योंकि एक म्यान में दो तलवारें एक साथ नहीं रह सकती हैं-

क्रेमिज में-

चियांsss
जींsss

नहीं पता! ओह,
मैं तो भूल ही गया था कि
यहां के पक्षी भला इवेला को
कैसे पहचानेंगे!



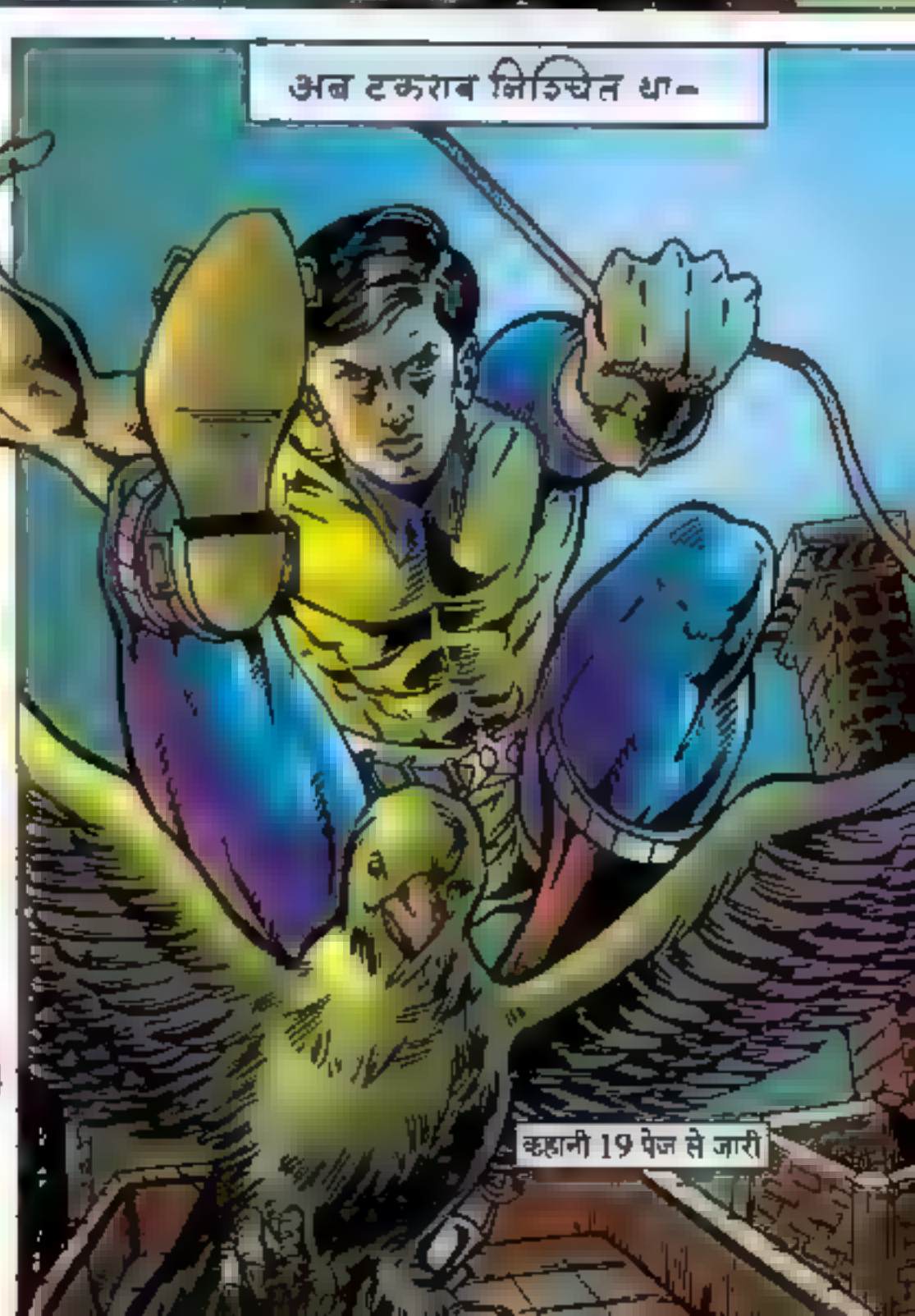
फिर मैं इवेला को
कहां दूँ? क्रेमिज इतनी
छोटी जगह तो है नहीं!

एक मिनट!
काकानुआ ने किसी
राक्षस का भी जिक्र किया
था!

इनको 'राक्षस' के
बारे में जरूर पता
होगा!
जीं चीं चीं!

पता है! झावाज!
शायद 'राक्षस' के जंगल
ही मुझे इवेला का कुछ पता
चल सके!

चलो!



अब टकराव निश्चित था-

कहानी 19 पेज से जारी

अमर कम

कहिये नये अंतहीन सफर

आप की
तुरीन को मैं वापस ले
आया हूं, यही है मेरी
गुरु दक्षिणा।

गुरु भोक्ताल

2007 में
प्रकाशित

राज कॉमिक्स में शुरू होने जा रहा है कोबी और
भेड़िया का कांटो भरा अंतहीन सफर।

हम तुम्हे कहीं नहीं जाने देंगे। अगर तुम अपराध को खत्म करने निकले तो तुम्हे खत्म कर देंगे...

वर्ष 2007 में उपलब्ध

परमाणु

आज क्षिप्रा रोक रही थी इंस्पेक्टर विनय को और शीना रोक रही थी परमाणु को। शुरू होने जा रहा है परमाणु का एक रहस्यमय कॉमिक सफर।

पर टकराव का नतीजा अनिश्चित-

प्रिटी वूमेन!
देखो, देखो
न!

प्रिटी वूमेन!
पर्स दे दो
न!

गेट लॉस्ट,
यू स्काऊंडल्स!



स्काऊंडल!
नून हमें गाली दी!
अब हम तुम्हें बताएंगे
स्काऊंडल्स का
मतलब!

जानती है ये
क्या है?



देख!



अब हम इसे तेरे एक
कान में डालेंगे और
ये तेरे दूसरे कान से
निकलेगा!

न... नहीं! पर्स ले
लो! सारे पैसे ले लो!
मेरी ज्वेलरी भी ले
लो!

पर तुम्हें
छोड़ दो!



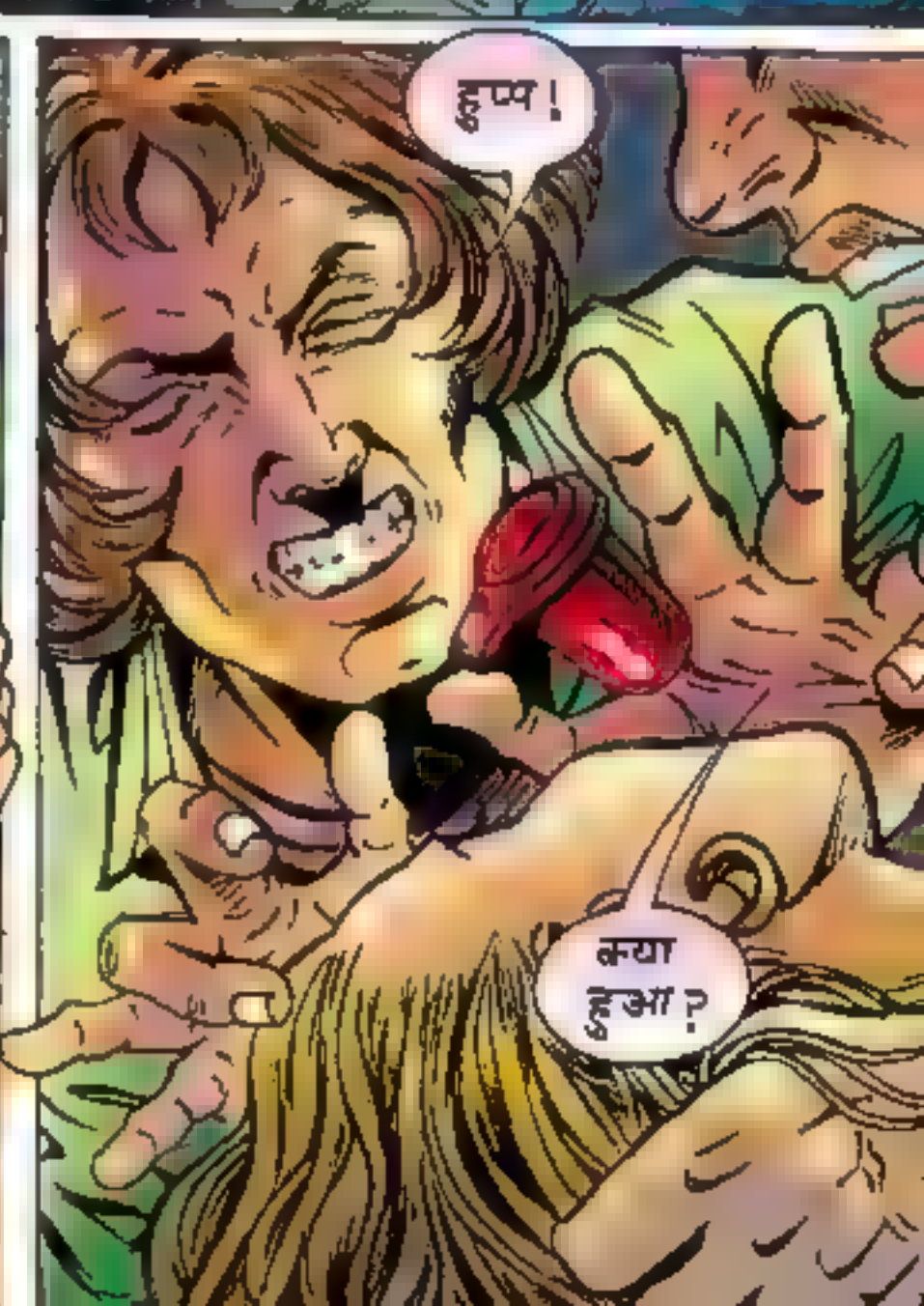
तुमसे पहले कई औरतें यही
बात कह चुकी हैं! हमने सबको
जाले दिया! कब्र में! इसका
सिर टेढ़ा कर पिंटी!



ही ही ही!



हुप्प!



क्या
हुआ?



यानी तुम इनके साथ हो! मिले हुए हो इनसे!

अब तुमसे भी बाकी पूछताछ पुलिस स्टेशन में ही होगी!

तुने एक सुपर हीरो पर गलतानी! यानी तू अपराधी है!

स्पाइडर आगे लपका-



अरे! इसको क्या हो रहा है?

ये इंस्पेक्टर तो स्पाइडर जैसी बन रही है!

हमारे पॉवरफुल सुपर हीरो ने इसे ये सजा दी है! स्पाइडर इज ऑवर प्रोटेक्टर!



और गन इंस्पेक्टर के हाथ से छूट गई-

अब इंस्पेक्टर बार्बी बेचस थी-

आऽऽऽह! ये तो जहरीले डंक जैसा है!

मेरे पूरे शरीर में भयंकर जलन हो रही है!



मुझे जाने दो! मुझे हॉस्पिटल जाना होगा! वरना मैं मर जाऊंगी!

सभी-



आऽऽऽह! ये चिड़िया भी अपराधी है क्या? एक सुपर हीरो पर हमला कर रही है!

गलत! ये सभी चिड़िया
एक अपराधी पर हमला कर रही
हैं! इस महिला को छोड़ दो!

सुपर कमांडो
ध्रुव! तूने बहुत काम
कर लिया! अब तू
जिन्दगी के मजे ले!
अब से अपराध का
बिनाश सुपर हीरो
स्पाइडर करेगा!

और हां, ये बात
जाकर अपने जैसे दूसरे
सुपर हीरोज को भी
बता देना!

हां! तुम्हारे लिए
तो ये काम काफी आसान
होगा! खूद अपराध पैदा करो
और खूद उसे खत्म कर
दो!

सामने दो गुंडे
खड़े हैं! पर तूम उनको
छोड़कर इस महिला पर
हाथ आजमा रहे थे!

जिसको हायड
तुम्हारी मेहरबानी से
डलाज की जरूरत
है!

मैं इंसपेक्टर
हूँ! मेरी मदद करो!
मुझे अपने हैडक्वार्टर
से संपर्क करना
है!

ये लीजिस! ये एक
ट्रांसमीटर है! इसकी
ऑटोमैटिक ट्रैकिंग पुलिस
बैंड को कैच कर लेगी!

और मिस्टर सुपर हीरो!
तुमको पकड़ना या छोड़ना यहां
की पुलिस का काम है! मुझे
तो तुमसे सिर्फ एक सवाल
पूछना है!

इवेता! हा हा हा!
तो इवेता की फिर तुमको
यहां रीच लाई है!

सुनो मिस्टर ध्रुव!
इवेता मेरे जाल में पूरी
तरह से फंस चुकी
है!

पहले मैंने सोचा
कि उसे सजा दूँ! पर अच्छा
किया कि नहीं दी! क्योंकि इस
इंसपेक्टर की मेहरबानी से मुझको
अपनी एक नई शक्ति का पता
चला है!

अब मैं
इवेता को भी
ऐसे ही बदल
बालूंगा!

इवेता
कहां है?

पर क्यों ?
इवेता से क्या
नकलीफ है
तुमको ?

इवेता ने मेरा रास्ता
रोकने की कोशिश की ! मुझे
समझाने की कोशिश की !
मुझे सुधारने की कोशिश
की !

जरा सोचो ! सोचो !
ये सब करने की कोशिश
कौन करता है ? कौन ?

ए बार्डफ ! झी विल
बी ए परफेक्ट बार्डफ फॉर मी !
आई एम इन लव विद
हर !

बताओ !

मुझे इवेता से प्यार
हो गया है ! अब इवेता
मेरी पत्नी बनेगी !

और फिर हमारे
बच्चों को मिलेगी, एक
सुपर हीरो की छानदार
विरामन !

होडा में आओ
ओरचिल्ली !

सपने सोने के
बाद देखे जाते हैं !
सोने से पहले
नहीं !

बोलो, इवेता
कहां है ?

इन
माई हार्ट !

मेरे
दिल में !

ओ. के. ! हैब
इट थोर वे !

बर्ड्स !

आऊ, हटाओ,
इनको हटाओ !

इनसे तुम निपटो !
तब तक मैं इवेता
को ढूँढ़ लूंगा !

इवेता तुमको
कभी नहीं मिलेगी !

मिलेगी ! मुझे बस
उन जगहों पर जाना पड़ेगा जहां
पर तुमको देखे जाने की रिपोर्ट
पुलिस के पास आई होगी !

नहीं ! इवेता के पास
तु नहीं जायगा ! उसको
ढूँढ़ेगा भी नहीं !

क्योंकि वह सिर्फ
मेरी है ! सिर्फ मेरी !

आsssह !

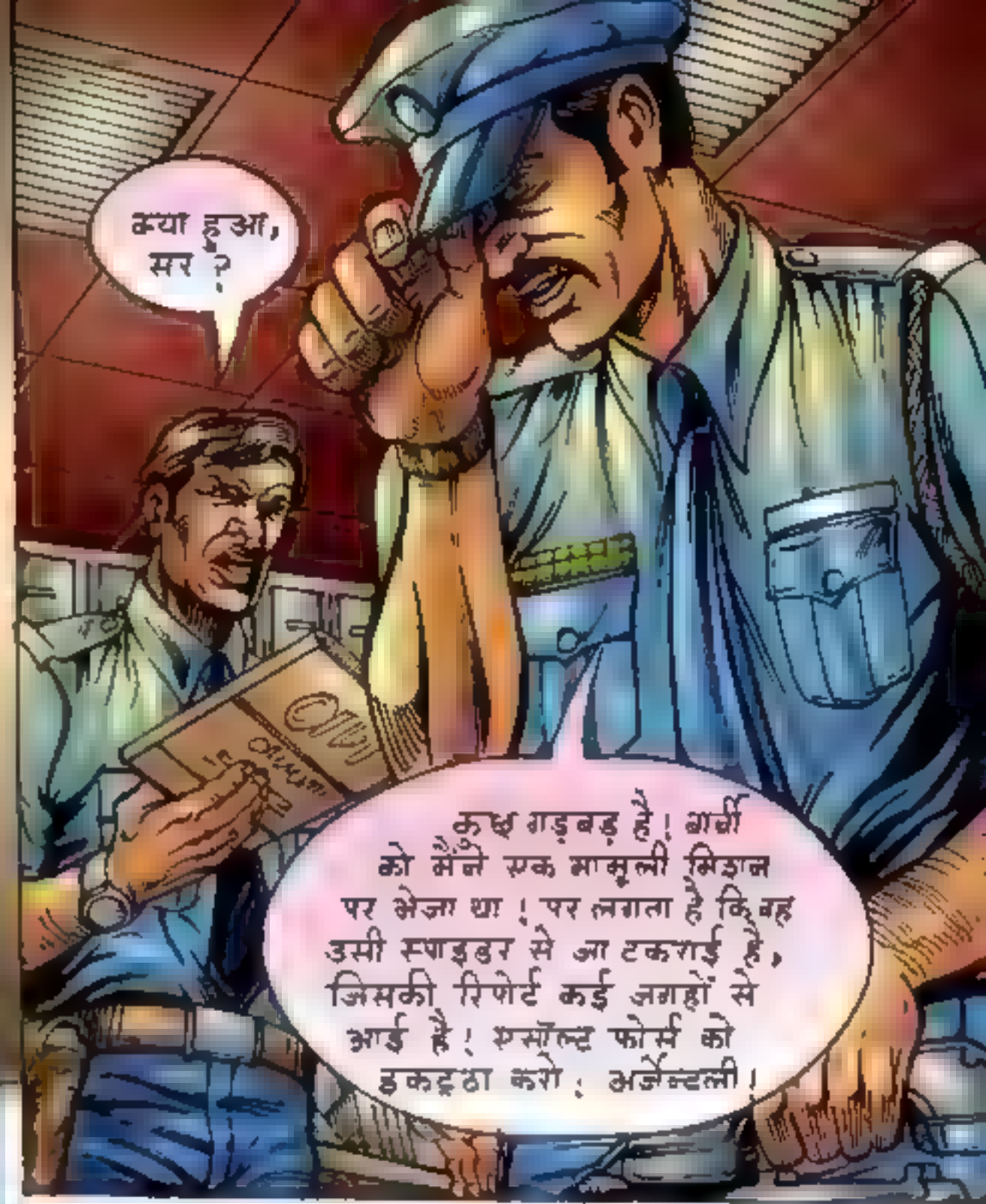


यस सर! जल्दी आइए!
स्पेशल सॉल्ट फॉर्म के
साथ! अब मैं... मुझे...
अह...



आऽऽऽह!

गार्डी!
इंस्पेक्टर गार्डी!



क्या हुआ,
सर?

कुछ गड़बड़ है! गार्डी
को मैंने एक मामूली मिशन
पर भेजा था! पर लगता है कि वह
उसी स्पाइडर से जा टकराई है,
जिसकी रिपोर्ट कई जगहों से
आई है! सॉल्ट फॉर्म को
डकड़ठा करो! अर्जेंटली!



अगर तू मेरा
होने वाला बूढ़ा डन लों
न होता तो मैं तेरी गर्दन
तोड़ देता! पर अभी मैं
इवेता को नाराज नहीं
करना चाहता!

अब तू यहीं पर
सबद का इंतजार कर!
मैं चला इवेता के पास!
झाड़ी की तैयारी करने! माफ
करना! वैसे अगर तुम इस
झाड़ी के खिलाफ न होले तो
मैं तुमको जरूर डंकाइट
करता!

और हां! जाल को
तोड़ने की कोशिश में सज्जी
वेस्ट मत करना! ये जाल गोली
तक को रोक सकता है!



ये गोली को
तो रोक लेगा!



लेकिन 'ग्रेमंड डस्ट' की पर्त
वाले स्टार ब्लेड की धार
को नहीं!



अब मैं तुम्हारे आल
की मजबूती को टेस्ट
करूंगा!

सचमुच काफी मजबूत है!

अब मैं इबेला को टूटने बाद में जाऊंगा! क्योंकि मुझे इतना पता चल गया है कि वह सुरक्षित है!

अब मैं पहले ये जानूंगा कि तुम आखिर हो कौन और तुम्हारी ये हालत कैसे हो गई?

अगली बार जब तू आइने में अपनी इक्ल देखेगा तो यही सवाल तू अपने आप से पूछ रहा होगा!

ओsssह!

हाssss

अरे! अब मेरे मुंह से आग निकल रही है!

एक और बड़ इक्लि!

पर ये इक्लि एक मूसीकत का रूप लेने वाली थी-

रेडियो सन्टिविटी सिग्नल!

इस आग में रेडिरुइन है! यानी ये जो भी है, इसके स्पाइडर बनने का संबंध रेडियो सन्टिविटी से है!

और ये बहुत खतरनाक बात है! ये स्पाइडर तो एक चलता-फिरता न्यूक्लियर रिएक्टर है!

मुझे इसको जल्दी से जल्दी काबू में करना होगा!



अब तू बच नहीं सकता, ध्रुव!

मैं समझ गया कि ये कौन है! ये मुझे जानता है, इवेना को जानता है, और ये सुपर हीरो बनना चाहता है! ये तीनों तथ्य तो एक ही आदमी पर फिट बैठते हैं! दिन पर!



तुमने अपने जाल का हाल तो देख लिया है, स्पाइडर!



अब...



... ध्रुव के...



... जाल का...



... कमाल देख!



आऽऽऽह!

ये नाइलो-स्टील के तारों का जाल है, स्पाइडर! इसका एक तार एक कार तक को हवा में उठा सकता है!

इनको मैं आग से गला डालूंगा!

जरूर गला देना! पर इनको गलाने के प्रयास में कहीं खुद जल मत जाना!



आऽऽऽऽ हं!



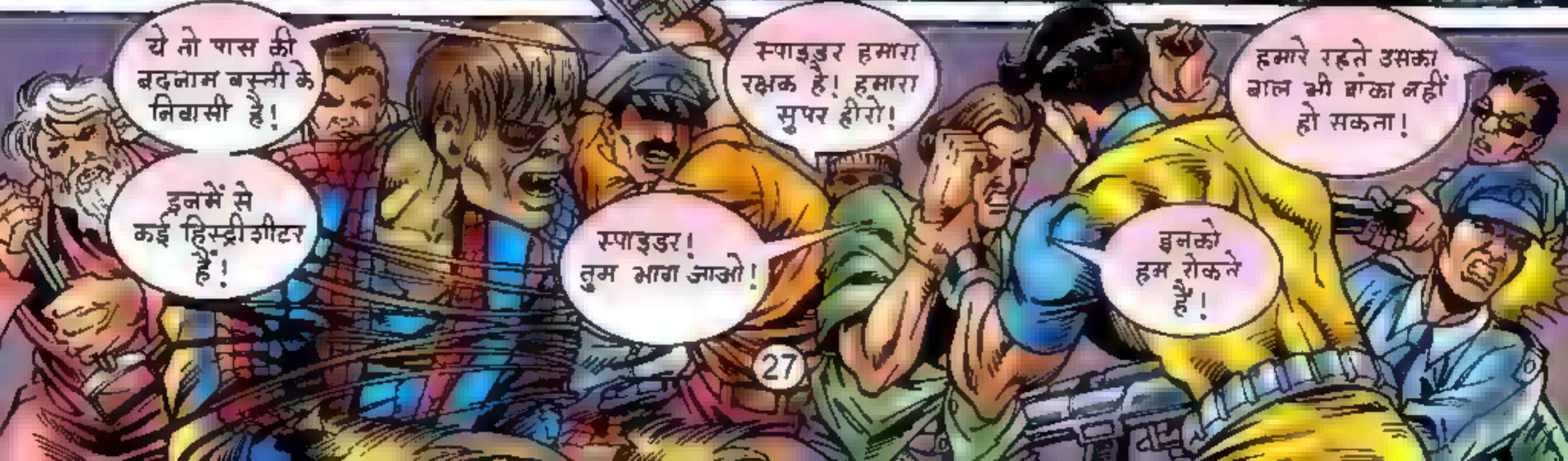
लो! अब तो पुलिस ने भी अपना जाल फैला दिया है!

स्पाइडर बुरी तरह से फंस चुका था-



और अब कोई चमत्कार ही उसको बचा सकता था-

ये जोर कैसा है?



ये तो पास की बदनाम बस्ती के निवासी है!

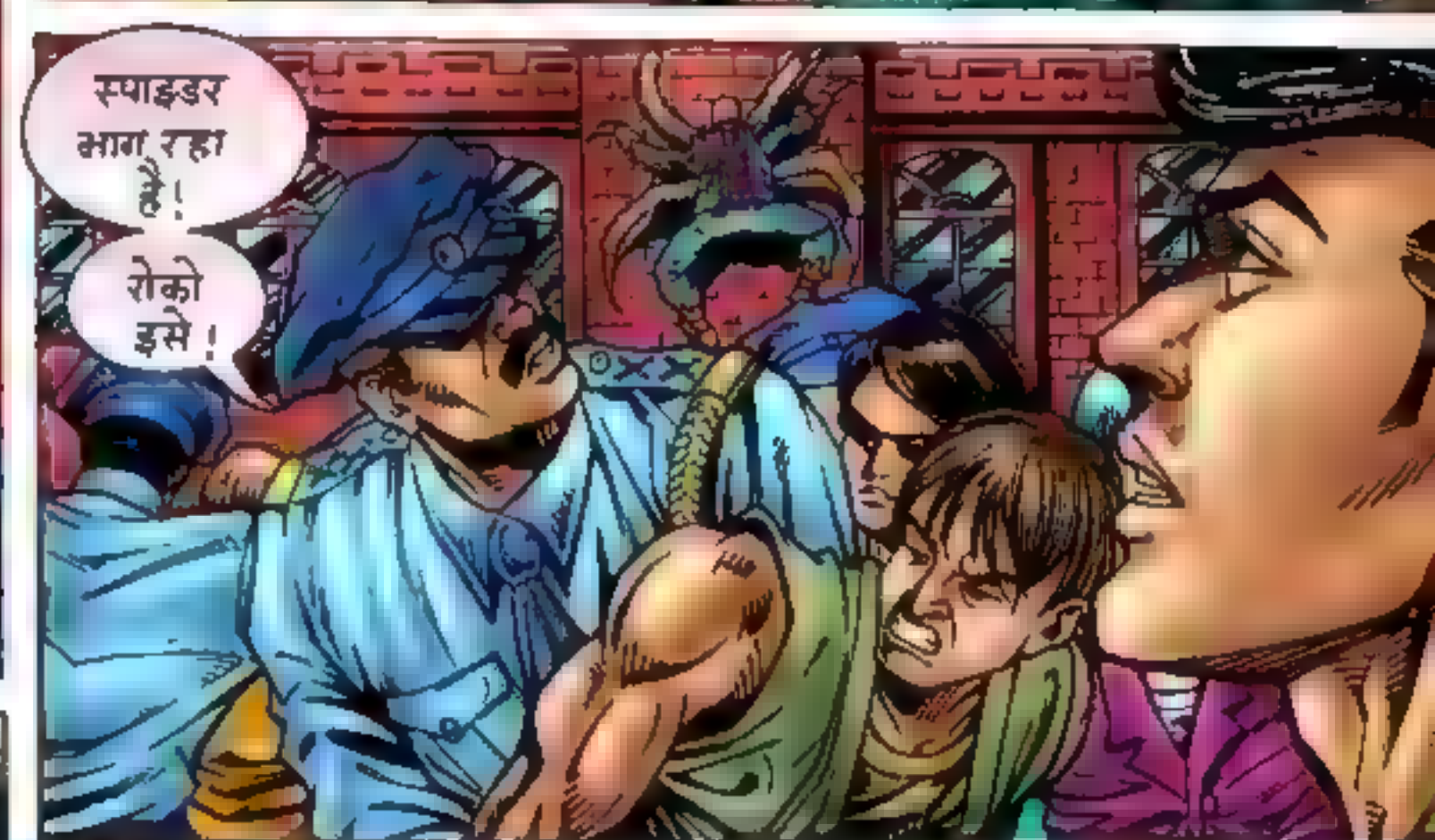
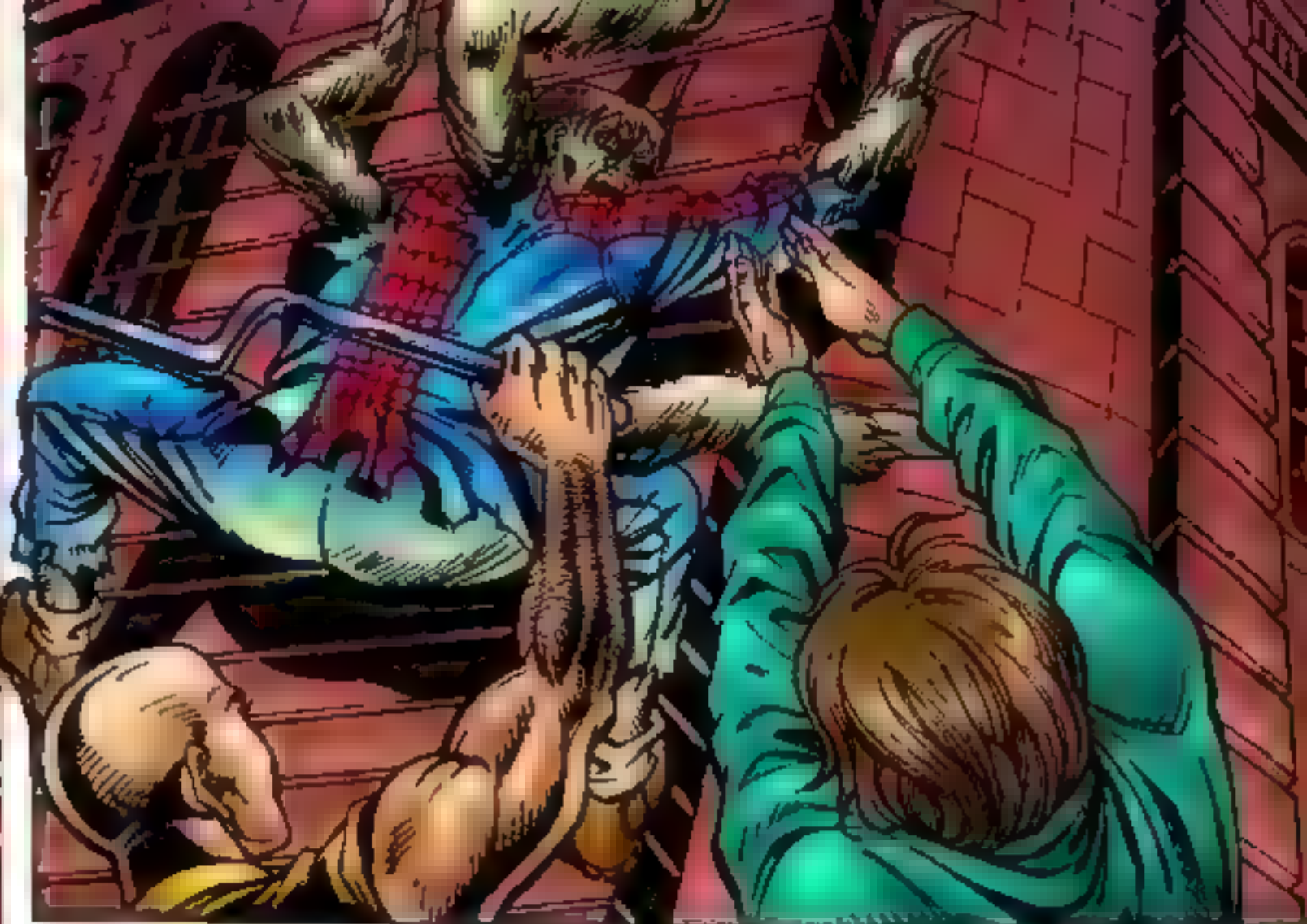
इनमें से कई हिस्ट्री गीटर हैं!

स्पाइडर हमारा रक्षक है! हमारा सुपर हीरो!

स्पाइडर! तुम भाग जाओ!

हमारे रहते उसका बाल भी बांका नहीं हो सकता!

इनको हम रोकते हैं!



आप इनको अरेस्ट कीजिए, पर मुझे सिर्फ इतनी जानकारी दे दीजिए कि स्पाइडर को यहां से पहले और कहाँ-कहाँ पर देखा गया है ?

तीन जगह ! मिडटाउन हॉल के पास कॉफी कैफे और हडसन लेन !

कॉफी कैफे में इसने एक स्पेशल नारकोटिक एजेंट पर हमला किया, और हडसन लेन में ज्यूजुस्तू चैम्पियन पर !

मुझे पहली जगह यानी मिडटाउन हॉल से ही इवेता को ढूंढने की शुरुआत करनी होगी !

मिडटाउन में हमको एक महिला और एक स्टूडेंट रेलिन की बेहोश बॉडीज जाल से झूलती मिली थी !

थैंक्स, सुपरिटेण्डेंट !

क्योंकि स्पाइडर की बातों से मुझे ऐसा लगता है कि इवेता ने उसको शुरू में ही रोकने की कोशिश की होगी !

बस मुझे वहां जाने का रास्ता पूछना होगा !

मिडटाउन हॉल ?

देह बे !

हे मैन् ! सेविंग मैस ?

इवेता जाल की कैद से आजाद होने की जी तोड़ कोशिश कर रही थी-

ओफ़ ! ये जाल क्या ह्यूंगम से बना है !

अब तो एक ही रास्ता है ! जाल को काटना पड़ेगा !

जितना खींचो, उतना ही चिपकता जाता है !

और काटने के लिए यहां पर एक ही चीज है !



जाल कट
रहा है!



अब मैं निपटूंगी उस दिन
के बच्चे से! पहले उसने
मुझे पुलिस के चक्कर में
फंसाया और अब चिपचिपे
जाल में!

दिस इज
टू मच!



भइया!
तुम कहां से
आ गए?

तेरा फोन
आते ही मैं भाग
आया!

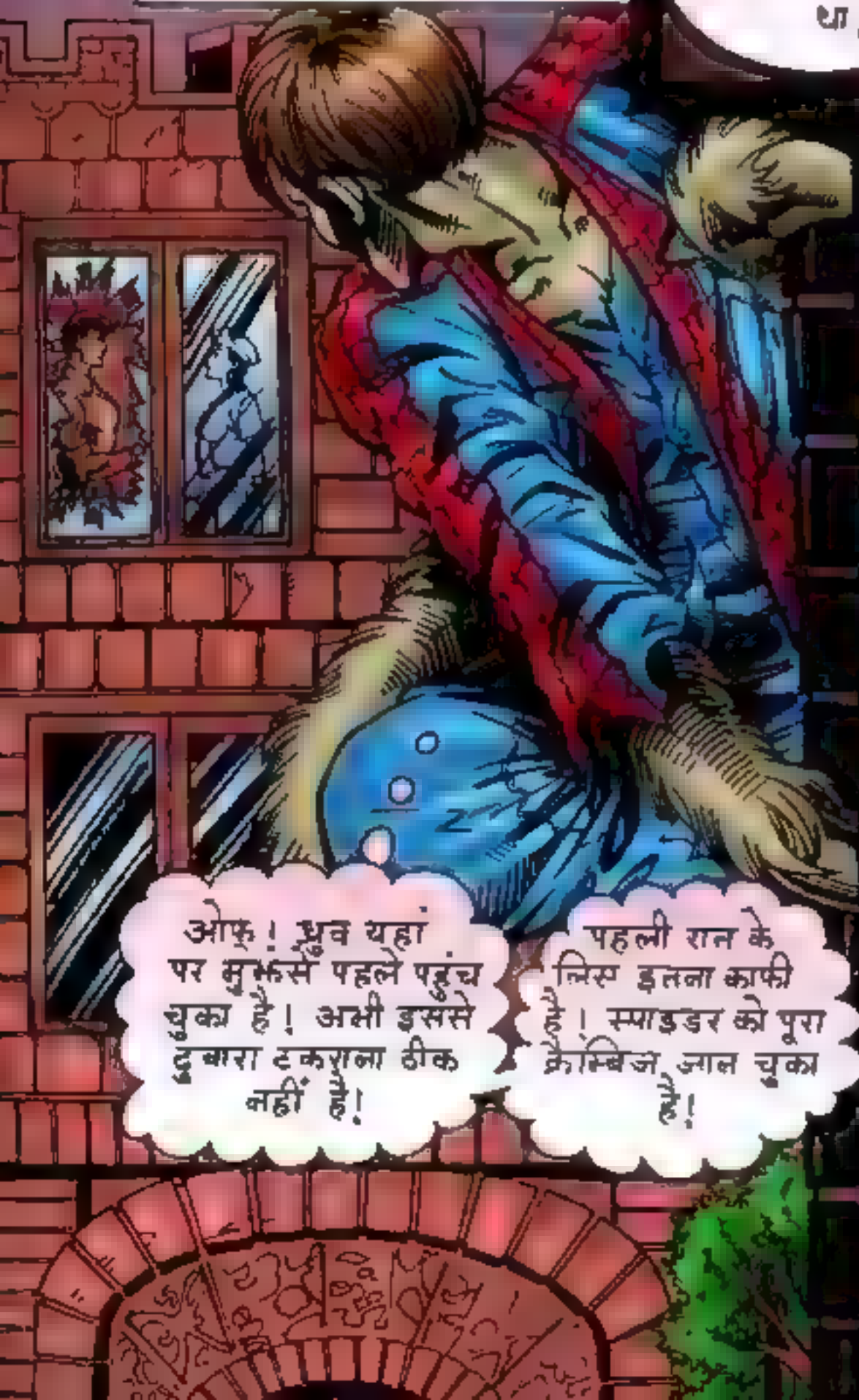
पर दिन ने
सेसा क्या किया कि
बहु स्पाइडर बन
गया!

इवेता, ध्रुव की पूरी कहानी
सुनाती चली गई-

मुझे भी दिन
पर ही शक हुआ
था!

अब दुनिया को
मेरे बारे में जानने
में ज्यादा देर नहीं
लगेगी!

हर सुपर हीरो
की रंक सीक्रेट
आइडेंटिटी भी
तो होती है न!

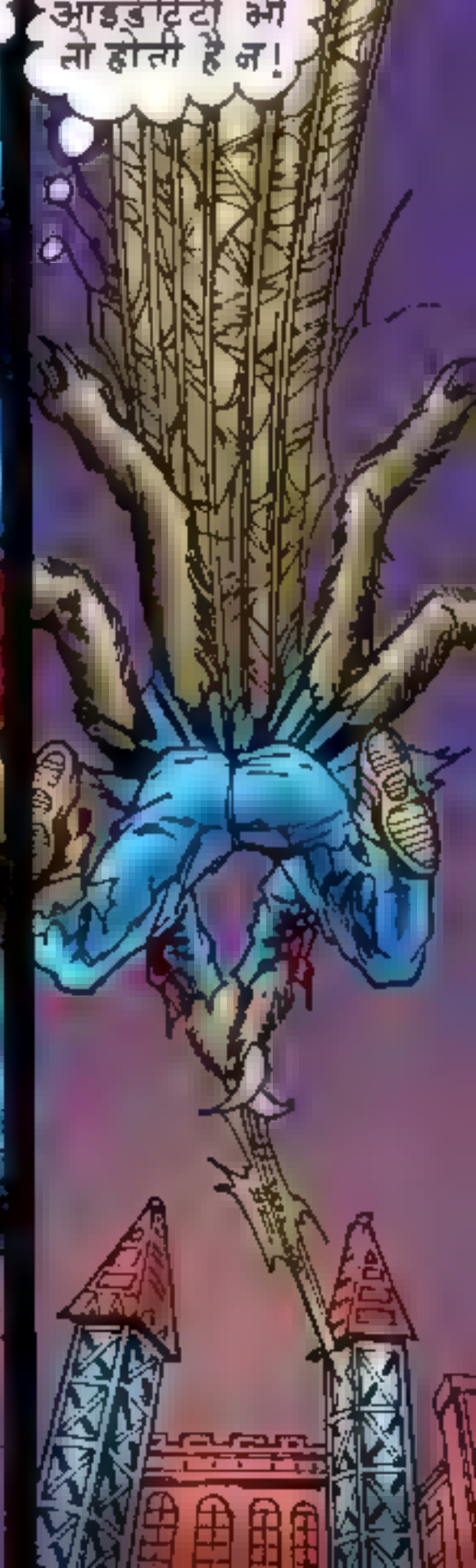


ओफ़! ध्रुव यहां
पर मुझसे पहले पहुंच
चुका है! अभी इससे
दुबारा टकराना ठीक
नहीं है!

पहली रात के
निरु इतना काफी
है! स्पाइडर को पूरा
क्रेडिज जान चुका
है!



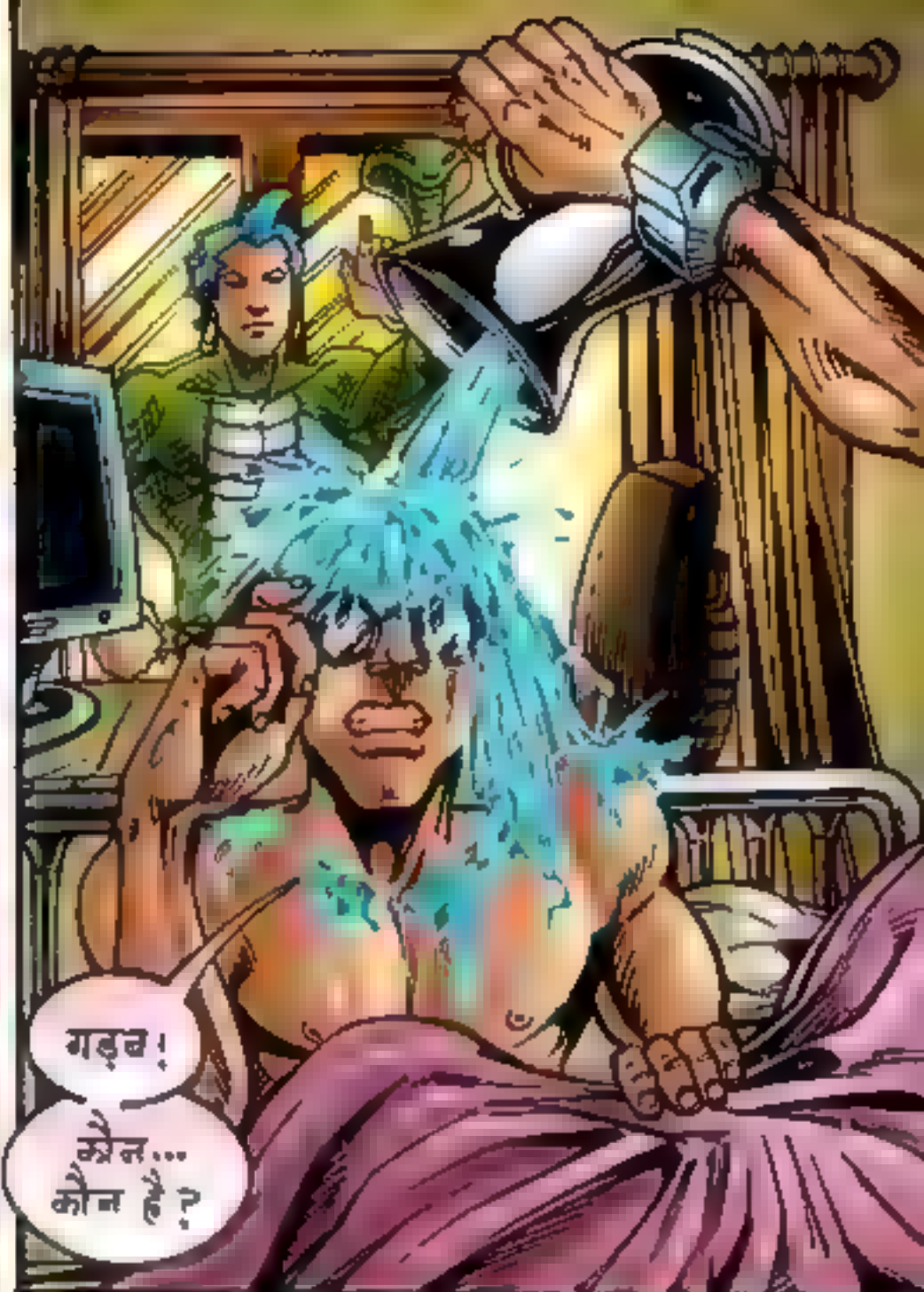
लेकिन उससे पहले
मुझे अपने असली रूप में
आना पड़ेगा! दुनिया को ये
कभी पता नहीं चलना चाहिए
कि स्पाइडर कौन है?







“कायद अपने कमर पर! मैंने उसका कमर देख रखा है-”



गड़बड़!

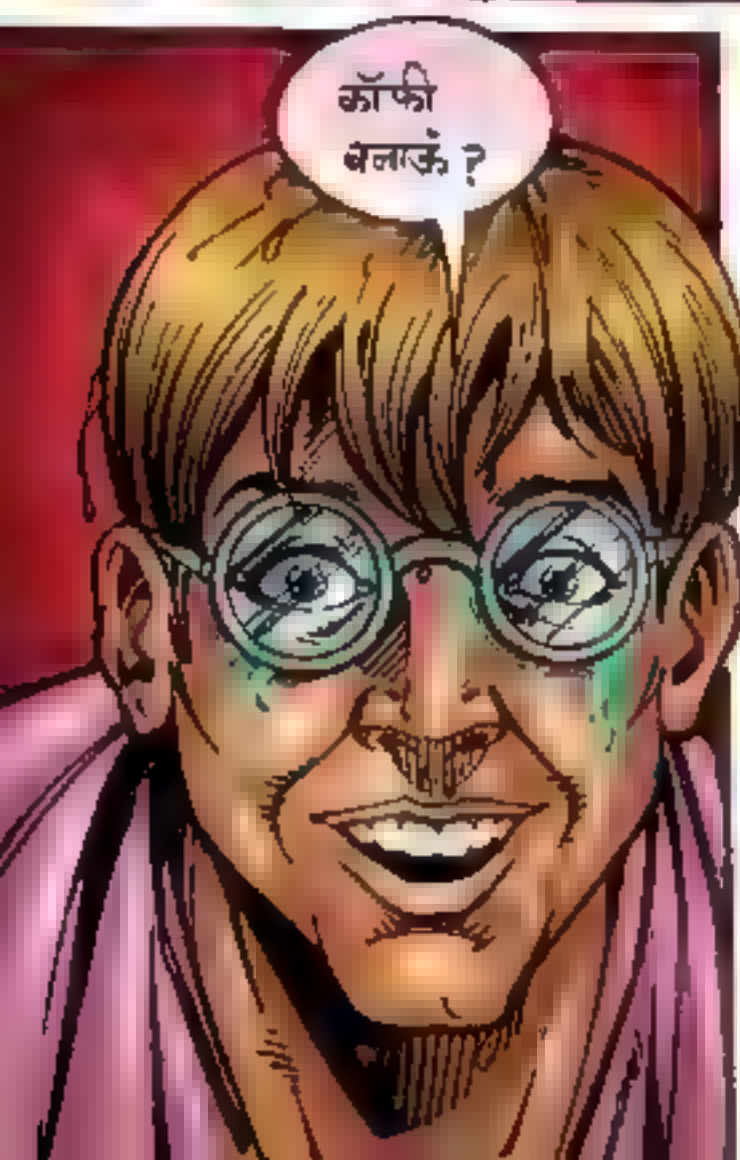
कौन...
कौन है?



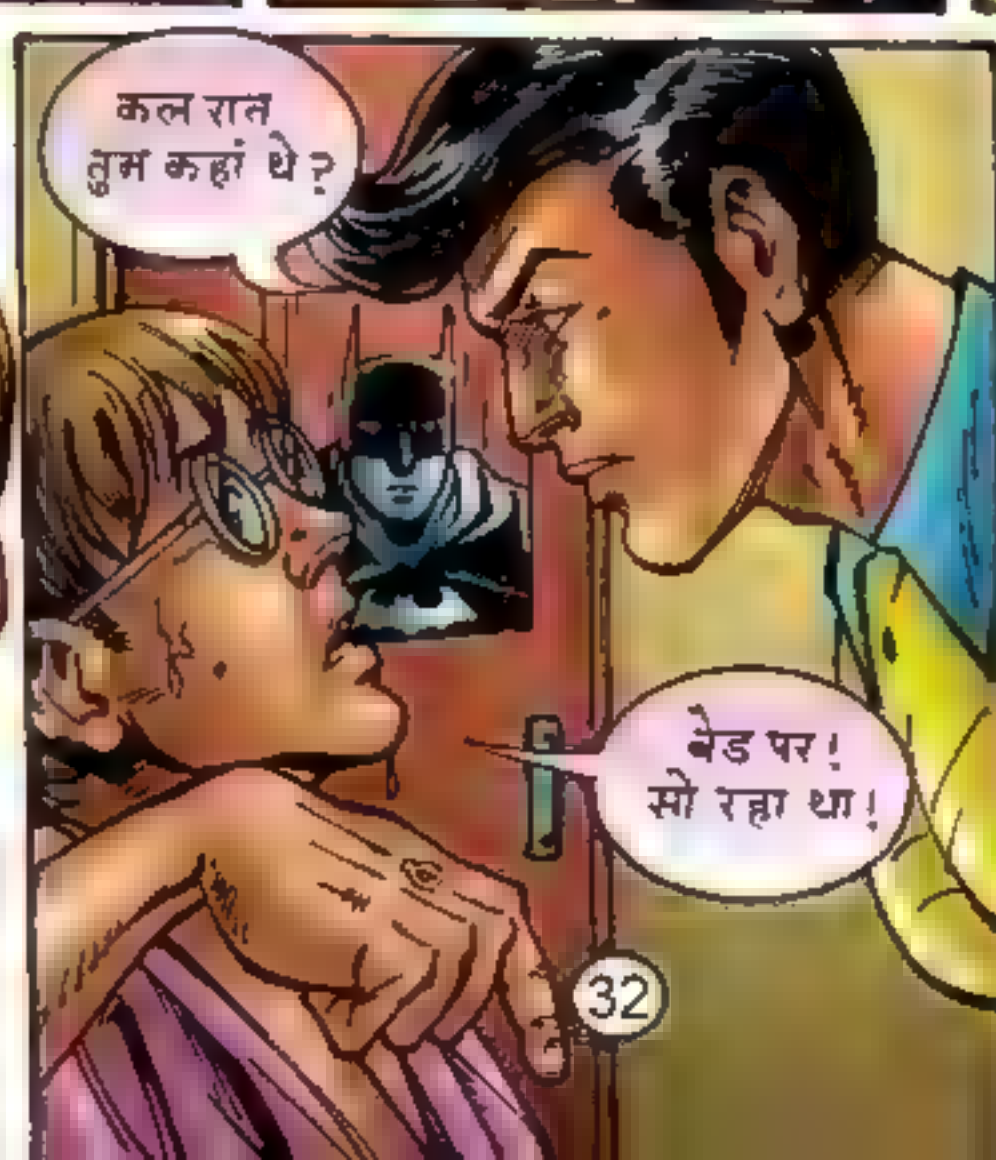
कवेला! धुब!
व्हाट्स प्लेजर!
सारी मैंने कॉल
बेल...



मतलब... दरवाजा
टूटने की आवाज नहीं
सुनी! मेरी नींद बड़ी
पक्की है!



कॉफी
बनाऊं?



कल रात
तुम कहां थे?

बेड पर!
सो रहा था!

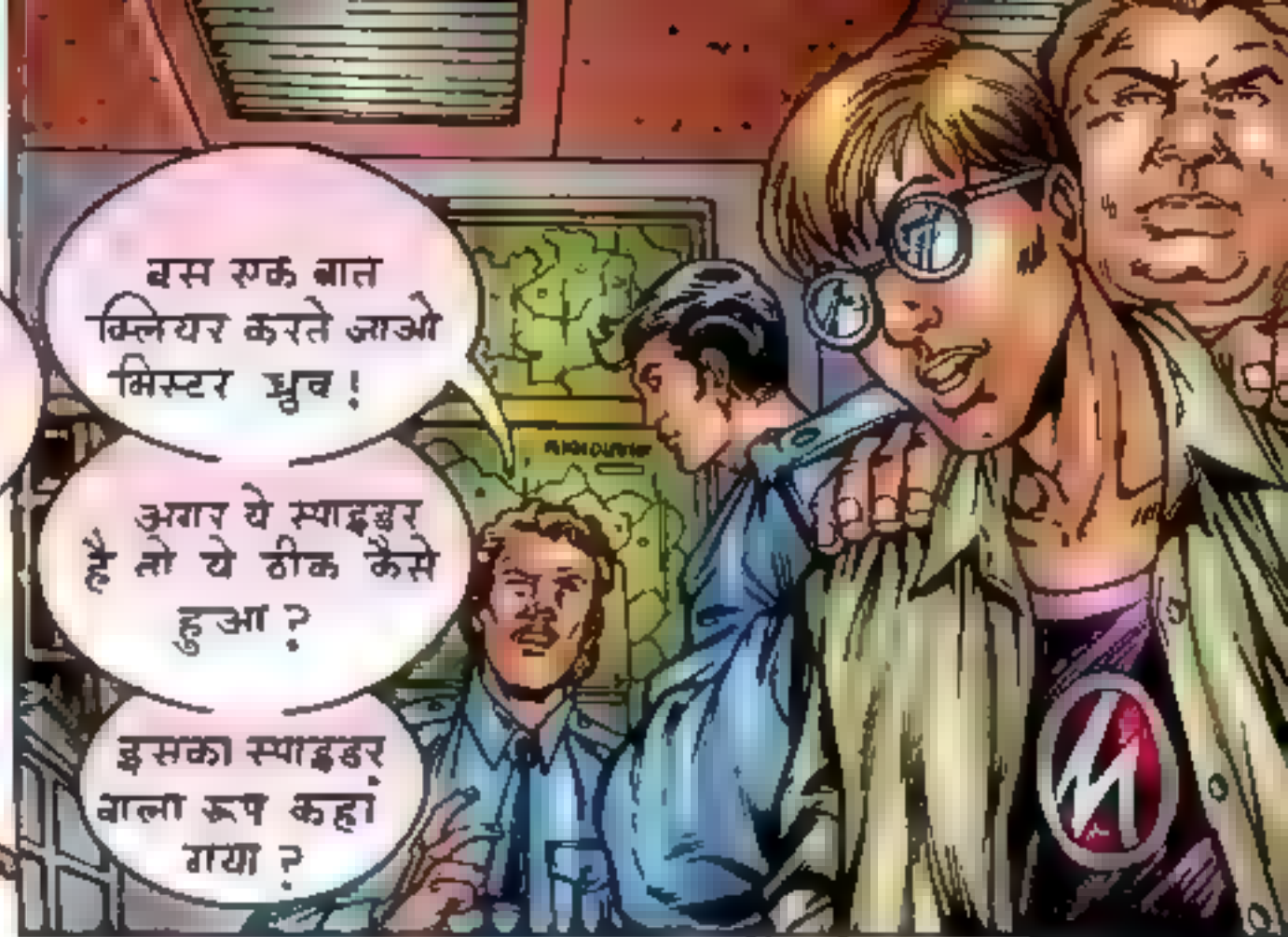


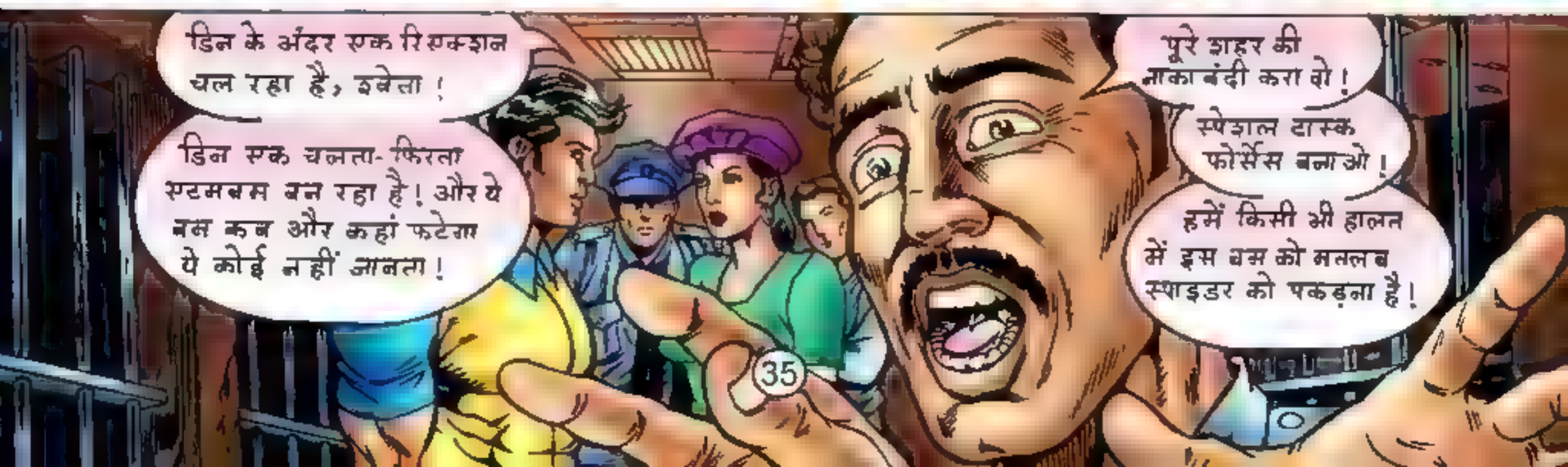
और एक मकड़ी
तुमको सोते समय
काटकर भाग
गई!

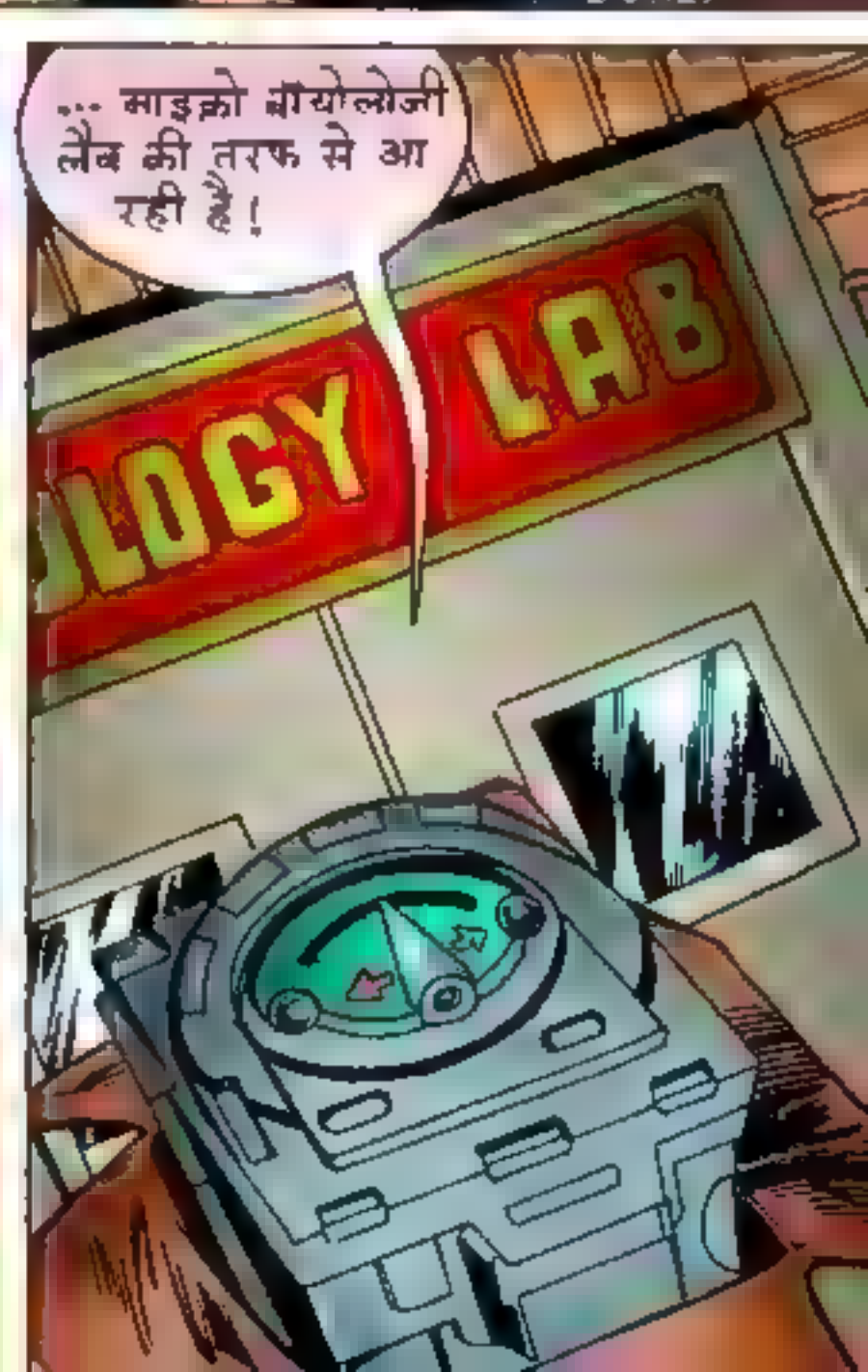
ये मकड़ी
के डंक का निशान
ही है न!

है तो, पर!
अरे! मैं कमर पर
कैसे आया?



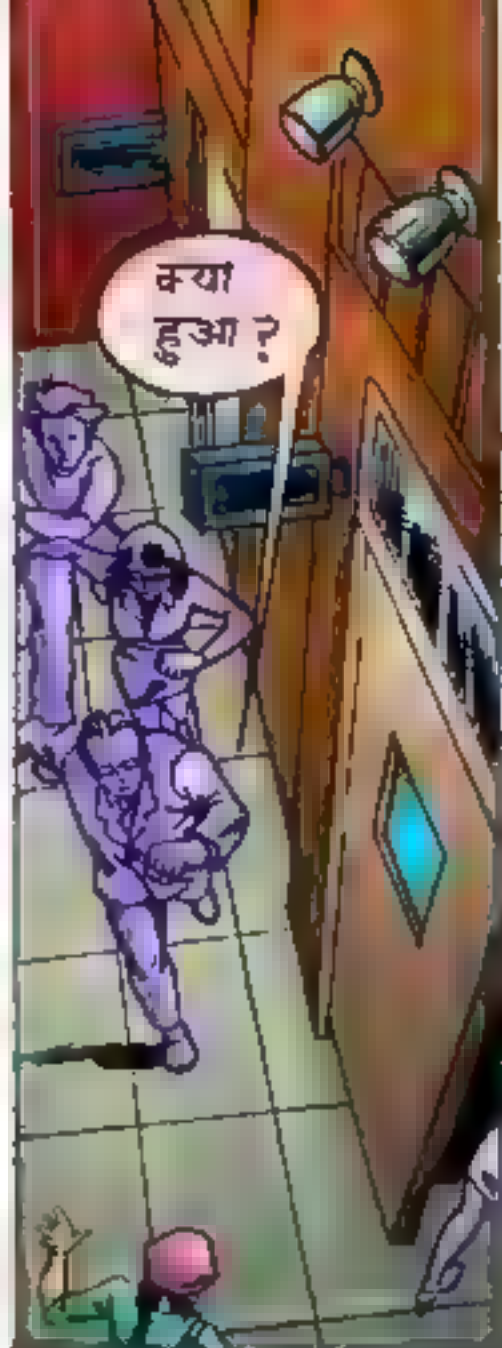




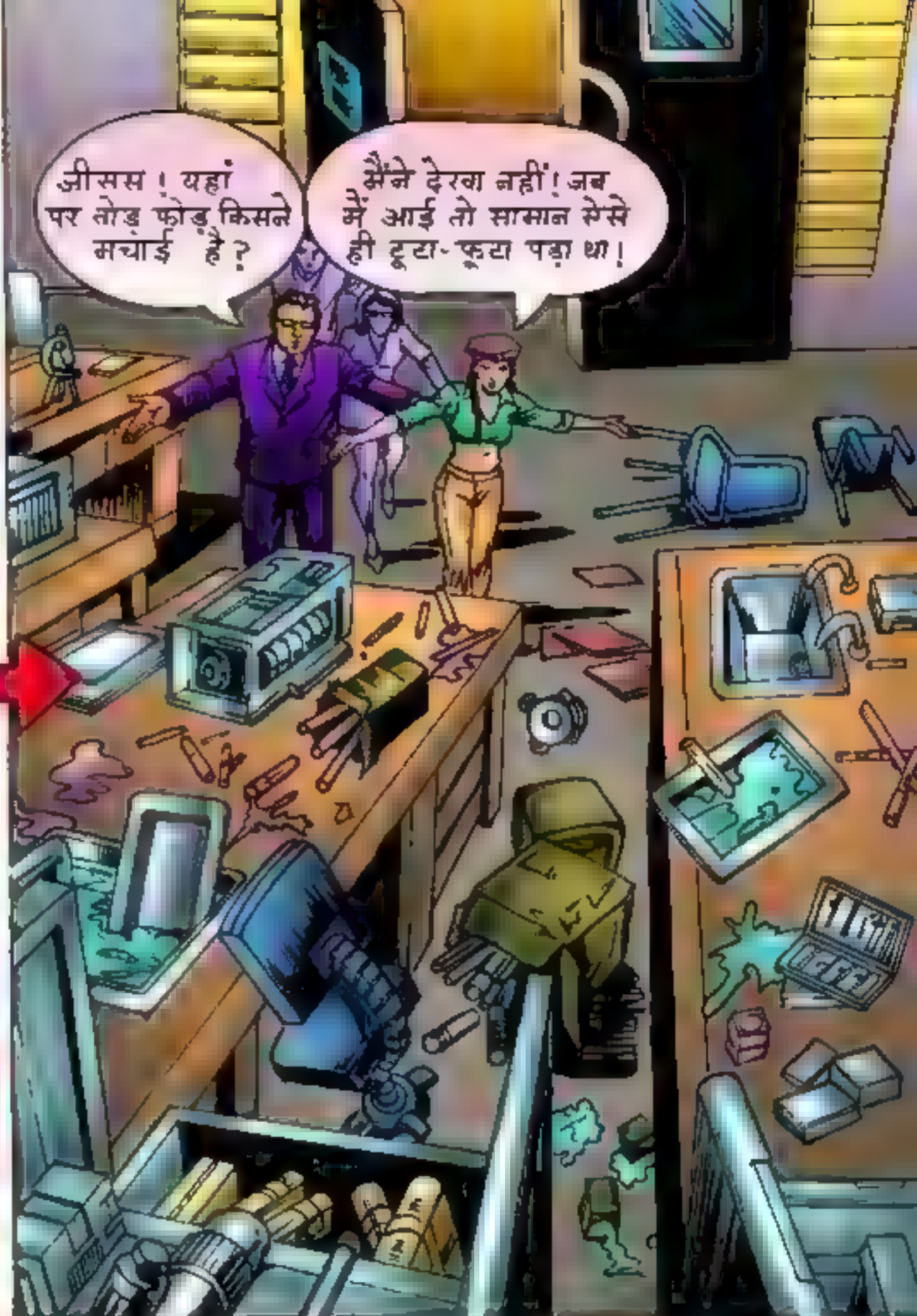




ओsss ह!



क्या हुआ ?



जीसस ! यहां पर तोड़ फोड़ किसने मचाई है ?

मैंने देखा नहीं ! जब मैं आई तो सामान सेसे ही टूटा-फूटा पड़ा था !



अब मैं अगर इनको बताऊं कि मैंने हायड स्पाइडर जैसी परछाईं देखी थी तो ये मेरा विश्वास नहीं करेंगे !

शायद मैंने ही गलत देखा हो ! ये स्पाइडर तो मेरे दिमाग पर हावी हो रहा है !

वैसे भी नींद के बारे मेरा दिमाग काम नहीं कर रहा है !



पर... अगर दिन यहां पर आया था तो क्यों आया था ?



37



... स्पाइडर पहुंच चुका है !

" और यहां के बाद वह कहाँ गया होगा - "

रोनिन के कमरे में कोई है ! और पहरेदार भी बेहोश है ! यानी मुझसे पहले यहां पर...



ताऊजी! आप
यहाँ क्या कर
रहे हैं?

ध्रुव! अच्छा हुआ कि
तुम यहीं आ गए। फिदूज
का कहीं पता नहीं चल
रहा है!

उसके दोस्त रोनिन
के बारे में हॉस्टल से
पता चला कि उस पर
स्पाइडर ने हमला किया
है, और वह कोमा में
है!

फिर मैं
यहाँ चला
आया!

तुमको फिदूज
के बारे में कुछ पता
चला?



वो ताऊजी...
पता तो चला है,
पर...

क्या पता
चला है ध्रुव! सस्पेंस
मत बनाओ!

बोलो!
जो भी सच
है, बोलो!



वो ताऊजी, रबर पत्ती तो
नहीं है, लेकिन रोनिन ने बेहोश
होने से पहले इवेता को बताया
था कि... कि...

रवा लिया
है? रवा लिया
है!

ओ माई गॉड!
ये... ये नहीं हो
सकता!



हो सकता है
कि रोनिन को धोखा
हुआ हो! हमें रोनिन
के होश में आने का इंतजार
करना होगा!

ये
स्पाइडर कौन
है? कौन है
वो?

... कि स्पाइडर
ने फिदूज को...
रवा लिया है!

क्या?
क्या बताया
था?



जहाँ तक मुझे पता है स्पाइडर एक
डिन नाम का फिलीपीनो स्टूडेंट है जो
एक रवास रेडियो एक्टिव मकड़ी के
काटने से स्पाइडर जैसा रक्तरा बन
गया था। रोनिन, फिदूज और
इनके दोस्त उसकी 'बुलिंग' करते
थे! शायद इसीलिए वह इनकी
जान का दुश्मन बन गया है!

अगर ये सच
है तो वह किसी और
की नहीं, बल्कि
आपकी जान का
दुश्मन बन गया
है, ध्रुव!

क्योंकि
अब मैं
उसे ज़िन्दा
नहीं छोड़ूंगा!

नहीं! रुकिस ताऊजी!
स्पाइडर से टक्कर लेना इतना
आसान नहीं है! अब वह हर
उम शरवस का सुपर हीरो बन
चुका है जो या तो गलत काम
करते हैं या करना चाहते हैं!
और ऐसे लोगों की तादाद
कम नहीं है!

अब चाहे पूरी दुनिया
उसके साथ हो जाय!
पर फिदज का हन्यारा
मेरे हाथों से अब बचेगा
नहीं!

पर आप
उसको ढूँढ़ेंगे
कैसे?

और उसे
पहचानेंगे
कैसे?

मेरा हेलीकॉप्टर
अभी भी कैम्ब्रिज
के चक्कर काट रहा
है!

वह ढूँढ़ेगा स्पाइडर
को! या स्पाइडर जैसी
किसी भी चीज को!

ओफ़! मैं
रोनिन को छोड़कर
ताऊजी के पीछे नहीं
जा सकता!

क्योंकि मुझे पता
यकीन है कि स्पाइडर
अपने अधूरे काम को
पूरा करने के लिए...

... यहाँ जरूर
आसगा...

... स्पाइडर!

क्यों सारना
चाहते हो तुम
रोनिन को?

तुम तो सुपर
हीरो बनना चाहते
थे न, डिन?

फिर विलेंस
जैसे काम क्यों कर
रहे हो?

ये
जानकर क्या
करोगा, ध्रुव?

क्योंकि तू यहां से जिन्दा वापस तो आसगा नहीं!

पहले मैं तुम्हें मारूंगा, फिर रोनिन को!

मुझसे पहले तुम्हारी जान खतरे में है, दिन!

क्योंकि तुम्हें ज्ञात नहीं है कि तुम्हारा शरीर एक न्यूक्लियर रिएक्टर बन चुका है! तुम किसी भी समय बम की तरह फट सकते हो!

ये तू क्या बकवास कर रहा है?

ये बकवास नहीं, सच्यार्ड है! और तुम जाहो तो इसकी जांच अभी और इसी हॉस्पिटल में हो सकती है!

पता नहीं ये धुव की बात का असर था -

या गोलियों की उस बौछार का -

पर उसके तेवर अब हमलावर नहीं रहे थे।

ज्ञात इसीलिए वह रघुनाथ जैसे मामूली हमलावर को देखकर भी चौंक उठा था -

ठहर! आज तू जिन्दा नहीं बचेगा!

और वह सिर्फ चौंका ही नहीं था।

भाग भी खड़ा हुआ था -

तू बचकर कहां जासगा रुक!

ठहरिए ताऊजी! उस पर गोलियों का कोई रवास असर नहीं होगा!

तुम उसके पीछे क्यों नहीं जाते! आखिर वह फिट्ज का कतिब है!

बस, मुझको ये समझ में नहीं आ रहा है कि स्पाइडर भागा क्यों?

और इतना रक्तता उठाकर वह रोनिन को मारने क्यों आया? क्या दिन, बुलिंग के कारण रोनिन या फिट्ज से इतना ज्यादा चिढ़ गया है?

ओह! किसी का फोन आ रहा है!

इचेता!

जाऊंगा, ताऊजी! जरूर जाऊंगा! पर रोनिन के लिए सिक्योरिटी आ जाने के बाद!

बर्ना रोनिन जान से हाथ धोखा और हम सब महत्त्वपूर्ण गवाह से!

इचेता! नु कहां पर है?

सुनो, भइया! आज डिन यानी स्पाइडर कॉलेज की माइक्रो गैंगोलोजी लैब में लोड-फोड मचाकर गया है! वह जरूर कुछ दूंद रहा था!

इसीलिए मैं स्पाइडर उर्फ डिन को रवोजने निकली हूं भइया!

चूंकि वह लॉकअप से भागने के बाद सीधे यहीं पर आया था, इसीलिए यह जानना जरूरी है कि वह क्या दूंद रहा था!

और यह मुझको वहीं पर ले आया है जहां पर डिन अपना गुप्त प्रयोग कर रहा था!

तुमने डिन को दूंद लिया है, इचेता!

अब क्या करोगी?

भागो मत, इचेता! मैं तुमको मारूंगा नहीं!

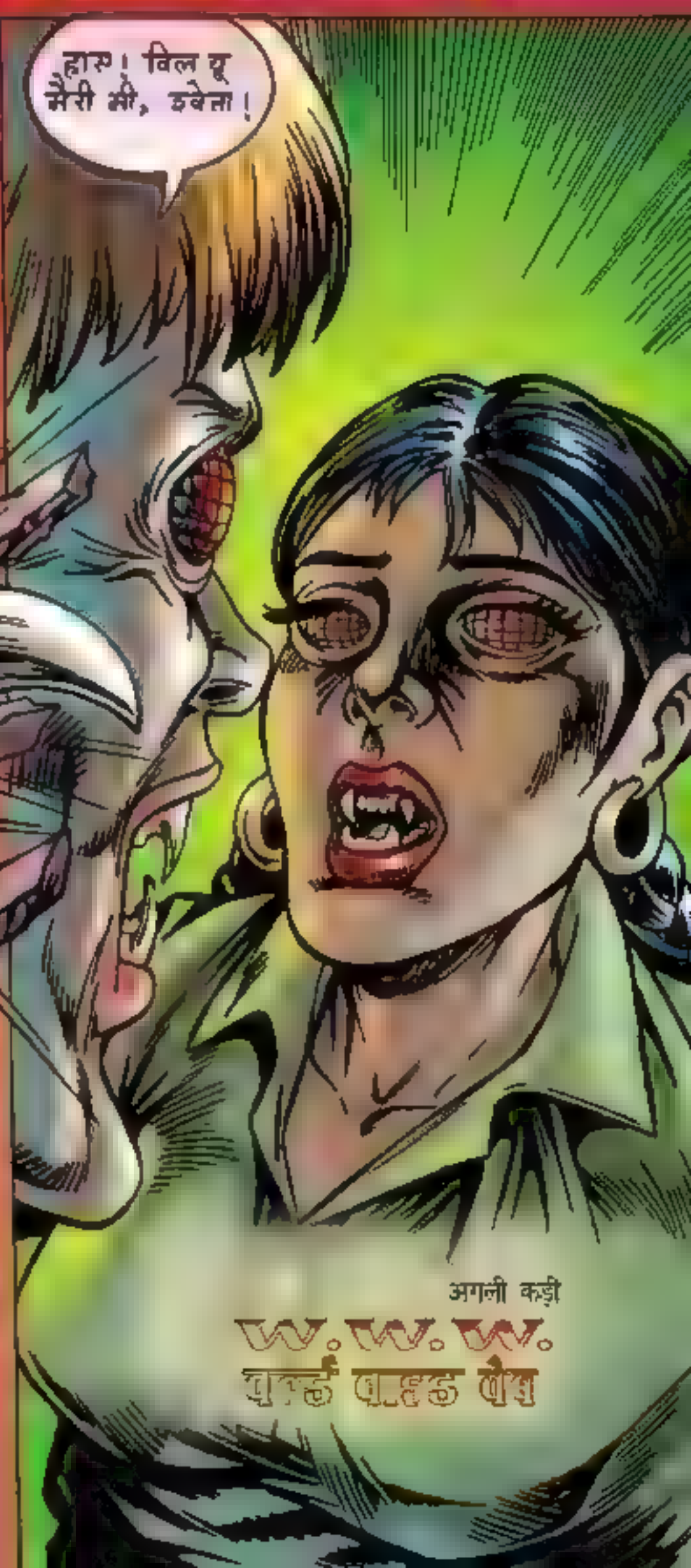
अरे! मैं तो तुमको प्रपोज करने वाला हूं!

मैंने एक ब्लड-हाऊंड किरास पर लिया है, और उसको डिन के कपड़े दस बार सुंघा दिए हैं!

नहीं, नहीं! कुत्ता बेहोश नहीं हुआ!

मुझे पुरा यकीन है कि मैं डिन को दूंद लूंगी!

ये तो मैंने सोचा ही नहीं!





मेरे स्टार मित्रों,

वेबसाइट आपने पढ़ी। आशा है आपको पसंद आई होगी। इस बार पूर्व कॉमिक्स स्पाइडर के कुछ रिव्यूस ग्रीन पेजिस में दे रहा हूँ। यह सब राज कॉमिक्स वेबसाइट के फोरम में लिखी गई कुछ फेन्स की प्रतिक्रियाएँ हैं। पूरे व सभी पत्रों को पढ़ने के लिए राज कॉमिक्स वेबसाइट पर जरूर जाएँ।

निमीष 'स्पाइडर' पढ़ी, अच्छी थी पर इस में पेजिम बहुत कम थे। मकड़जाल सीरीज के लिए उत्सुकता अब और बढ़ गई है।

मुन्ना भाई स्पाइडर पढ़ी अच्छी लगी...। सबसे अच्छी बात मुझे ये लगी कि स्पाइडर Character को पूरी तरह Justify किया गया है...। मुझे ध्रुव में Fiction नहीं पसंद था... लेकिन स्पाइडर का जन्म पूरी तरह Justified है...। पेजिस कम हैं।

जेकेबी हे फ्रेंड। मैंने स्पाइडर पढ़ ही ली। ध्रुव का तो मैं फैन बहुत पहले से हूँ पर कोई कॉमिक नहीं मिलती थी पर जब स्पाइडर मिली तो मेरी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। मुझे स्पाइडर बहुत अच्छी लगी। आप लोग भी इसे पढ़ें। मैं अब पूरी मकड़जाल सीरीज लेने वाला हूँ। बड़ी जबरदस्त कहानी है स्पाइडर की। आर्टवर्क, ईकिंग and everything is great. I will suggest read it soon. It is very interesting comics of the series. Thanks and bye

श्रीवास्तव स्पाइडर एक ध्रुव की Typical कॉमिक है। वैसे मकड़जाल के Intro के लिए तो काफी है 40 पेजिस और फिर भी थोड़े पेजिस और हो जाते तो अच्छा रहता। ध्रुव का काम कॉमिक में ज्यादा नहीं है और जरूरी भी नहीं था। कॉमिक का आर्टवर्क को awesome तो बिल्कुल नहीं कह सकते, हाँ अच्छा है पर इफेक्ट जोरदार है। सबसे अच्छी बात कॉमिक का कवर और स्टोरी लाइन है जो अब वेबसाइट से पता चलेगी। ध्रुव का रंगबी खेलना अच्छा लगा और डिन का सुपर हीरो क्रोज भी।

Overall गुप्त और सर्वनाश से तो अच्छी पर बाकी कॉमिक्स से कुछ ज्यादा खास नहीं।

जोश-अभी 143...मकड़जाल की बाकी कॉमिक्स देखने के बाद ही इस सीरीज के बारे में कुछ कहा जा सकता है। क्योंकि स्पाइडर इतनी अच्छी नहीं है जितना Expect किया था But graphics were superb

शाशिव-कहानी की शुरुआत तो अच्छी है। स्पाइडर में जो कथावास्तु, Environment बनाया गया है उसे देख के लगता है आगे की कॉमिक्स अच्छी आएगी।

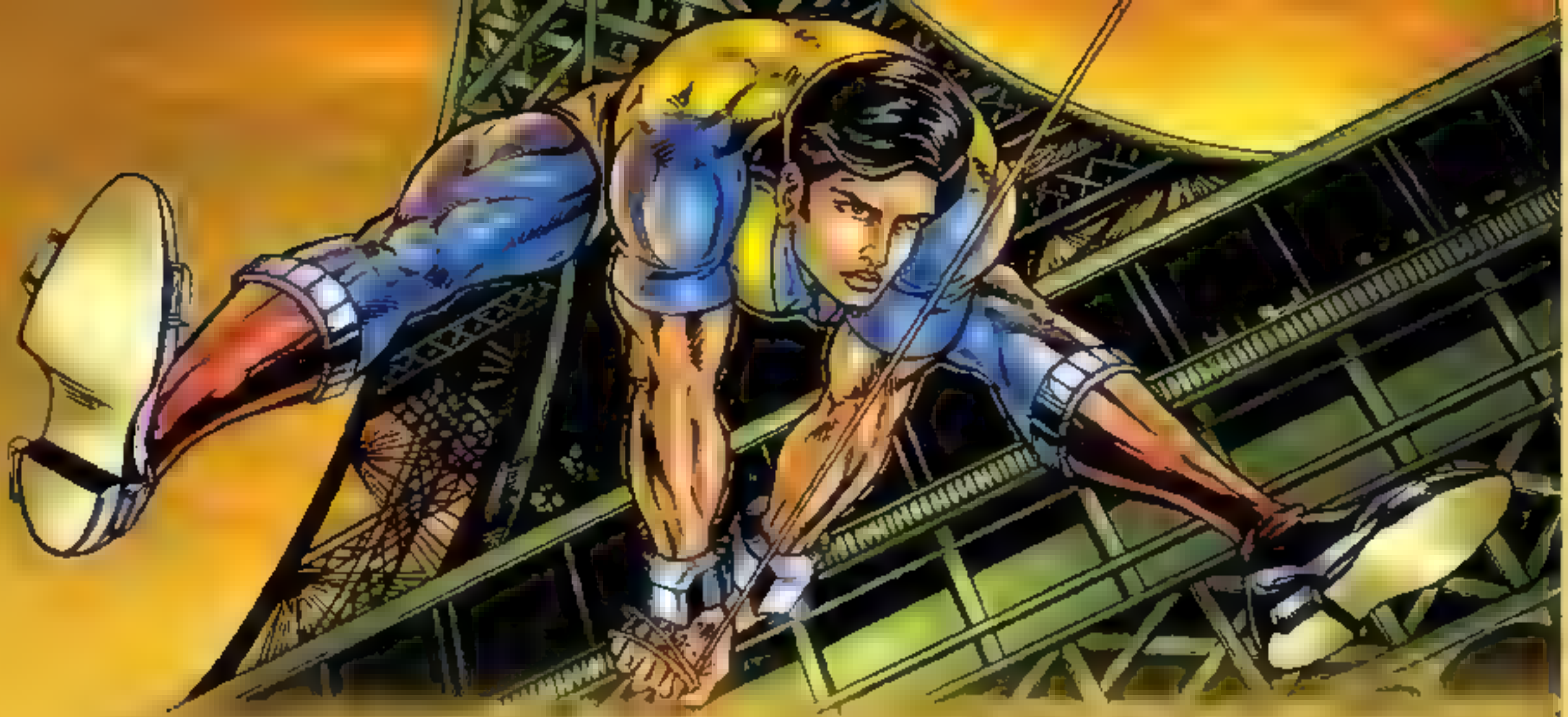
बुबाई स्पाइडर अच्छी कॉमिक्स है।

आर्टवर्क आज तक का ध्रुव का बेस्ट आर्टवर्क है। Mostly because of effects ये बात सबकी सही है 40 पेजिस कब शुरू हुए और कब खत्म पता ही नहीं चला। पर I feel अगर ये ही रेगुलर साइज रहा कॉमिक्स का For long term तो समय के साथ हम लोग इससे Accustomed हो जाएंगे। आदत पड़ जाएगी और फिर इतना Awkward feel नहीं होगा।

Remember एक टाइम था जब 32 पेजिस में बड़ी बड़ी कहानियाँ कही जाती थीं। With very small 5 to 6 frames of picture per page. Then came big comics of 64 then 80 and then 120. And we also moves on.

with all this हमने हमेशा Change के साथ adjust किया है। हमारा mindset change होता रहता है।

Similar इस बार भी मुझे लगता है कि ऐसा ही होगा। The style of story telling in comics world has changed a lot today all over the world and so has RC I remember even DC Comics of batman had a stories over 8 to 10 issues of 25



pages each. Only thing which should be consistent is good story and art which is definately there in spider. Good job RC. Keep it up

SkAgrawal4k स्पाइडर पढ़ी। जबरदस्त कॉमिक थी पर सर्वनाश जितनी नहीं आर्टवर्क काफी अच्छा था, Atleast नागायण से अच्छा। चेहरे एक जैसे लग रहे थे। जबकि नागायण में तो हर फ्रेम में नागायण भ्रुव के चेहरे अलग लग रहे थे। हां श्वेता के आर्टवर्क में Improvement की जरूरत है। कहानी भी Mindblowing थी। बस दो शिकायत हैं (1) भ्रुव का रोल बहुत कम था। 42 पेज में सिर्फ 46 फ्रेम। (2) पेजिस सच में बहुत कम थे। कॉमिक शुरू हात ही खत्म हो गई। जब मैंने भ्रुव की पहली कॉमिक विनाश के वृक्ष खरीदी थी तब 6रु. में 32 पेजिस मिलते थे और अब 30रु. में 42 पेज।

चंदन अभी तो इस कॉमिक्स या सीरीज के बारे में कुछ नहीं कहा जा सकता। पर हां आर्टवर्क बढ़िया है और Characters के फंस में Consistency आई है। साथ ही Plot अच्छा है। इतना है 2nd कॉमिक्स का।

Taker पेजिस कम हैं मुझे कुल दो मिनट लगे और फीनिश। पेजिस ज्यादा होने थे।

संजय जी प्लीज ज्यादा पेजिस डालिये वेबसाइट में। मजा नहीं आया।

Rasikthool- Dear Sanjay ji, मैंने सपने में भी RC से ऐसी उम्मीद नहीं की थी कि वो इस सीरीज की शुरुआत ऐसे करेगा। स्पाइडर Ads के के वक्त तो कहा गया था भ्रुव अपने पुराने अंदाज में लौटेगा और बहुत Publicity की गई थी। लेकिन आर्टवर्क के अलावा कुछ भी अच्छा नहीं है। स्टोरी तो बहुत ही बोरिंग है। I am really really dissappointed

सूपी स्पाइडर कुल मिलाकर एक अच्छी कॉमिक कही जा सकती है। स्टोरी अच्छी लग रही है पर फिर भी उम्मीद पर खरी नहीं उतरी। मेरा मतलब है कि इसे लेकर बहुत Hype क्रियेट किया गया था उस हिमाव से ये Below expectations ही है। आर्टवर्क, आप लोग कह रहे हैं कि आर्टवर्क बहुत शानदार है। मैं तो हैरान हूँ! कुछ पेजिस में आर्टवर्क अच्छा लग रहा है पर फिर भी Stable नहीं है। कहीं इतना अच्छा है कि नजर ही ना हटें और कहीं इतना खराब की देखन का मन ना करे। श्वेता का फंस तो हर दूसरे पेज में बदल रहा है। उम्मीद है आगे हमें कुछ अच्छा और Mainly, stable आर्टवर्क मिलेगा।

आशु - कॉमिक्स एवरज है। डायलॉग गेचक है। आर्टवर्क पहले कि कॉमिक्स से Different है। अच्छा है। इस कॉमिक्स में भ्रुव को Different outfit में दिखाया जा सकता था। लेकिन फिर भी लंदन तक एक ही Costume दिखाया गया। अरे वो सुपर हीरो से पहले इंसान है। अरे कभी बोर नहीं होता एक ही Costume पहने।

करोठिया दोस्तों! स्पाइडर बहुत ही Avg कॉमिक थी। पता नहीं आप लोगों ने लिखा है कि मजा नहीं आया और फिर भी 4/5 मार्क्स दे दिए। ज्यादातर लोगों को बिल्कुल पसंद नहीं आई स्पाइडर।

प्यारे दोस्तों, आपने भ्रुव के प्रशंसक पाठकों की प्रतिक्रियाएं पढ़ीं। कुछ का कॉमिक पसंद आई, कुछ को नहीं। पेजिस की कमी सभी को अखरी। मेरा जवाब है कि कहानी में हम निरंतर सुधार लाने का प्रयास कर रहे हैं। जो आपको आने वाली कॉमिक्स पढ़कर ही दिखेंगे। पेजिस बढ़ाए नहीं जा सकते उसमें लिए अभी सिर्फ यही कहूंगा कि 40 पेजिस में ही आपको ज्यादा कहानी मिले। इसका भरपूर प्रयास किया जाएगा। कृप्या अपनी अमूल्य राय निरंतर देते रहें।

अपने पत्र हमें आप इस पते पर भेजें : ग्रीन पेज नं. 256 राजा पॉकेट बुक्स 330/1 बुराड़ी, दिल्ली-84

Forum पर अपनी पोस्ट आप www.rajcomics.com पर करें।

धन्यवाद

आपका—संजय गुप्ता

GREEN PAGE NO. 256

अब आप अपनी पसंद की केवल एक कॉमिक भी घर बैठे मंगा सकते हैं।

नागराज की किसी भी एक कॉमिक का आर्डर कॉमिक की कीमत व डाक खर्चे के साथ हमें भेजिए और वह कॉमिक्स अपने घर बैठे पाइए।

नागराज के 15/- मूल्य वाले कॉमिक

- नागराज
- नागराज की कब्र
- नागराज का बदला
- नागराज की हांगकांग यात्रा
- नागराज और शांनो
- खूनी खोज
- खूनी शत्रु
- नागराज का इंसान
- खूनी जंग
- प्रलयकारी नागराज
- खूनी कबीला
- की बरा धाटी
- बच्चों के दुश्मन
- प्रलयकारी मणि
- शंकर शंभुशाह
- नागराज का दुश्मन
- इच्छाधारी नागराज
- नागराज और कालवृत्त
- नागराज और जादूगर शाकूरा
- नागराज और बौना शैतान
- नागराज और ताजमहल की चोरी
- नागराज और लाल मौत
- नागराज और काबुकी का खजाना
- नागराज और घोड़ागा
- नागराज और तूफान-जू

- नागराज और जादू का शहशाह
- नागराज और अजगर का तूफान
- बकीरा का जादू
- पिरामिडों की रानी
- नागराज और मिस्टर 420
- घोड़ागा की मौत
- नागराज और बेमबेम विनेलो



नागराज के 20/- मूल्य वाले कॉमिक विशेषांक

- नागराज और नगीना का जाल
- नागराज और नगीना
- नागराज और मिस किलर
- नागराज और तूतेनतू
- नागराज और अदृश्य हत्यारा
- नागराज और कांजा
- नागराज और पापराज
- नागराज का अंत
- जहर
- क्राइमकिंग
- विषकन्या
- इच्छाधारी

- नागिन
- राज का राज
- मृत्युदंड
- आतंक
- नहीं बचेगा नागराज
- कालचक्र
- नागराज अमेरिका में
- आतंकवादी नागराज
- विषहीन नागराज
- इच्छाधारी चोर
- साया
- विनाशलीला
- पागल नागराज
- मसीहा

नागराज के 40/- मूल्य वाले कॉमिक विशेषांक



- राजनगर की तबाही
- कोहराम
- कयामत
- जलजला
- विध्वंस
- संग्राम
- परकासे
- संहार
- ड्रैकुला का अंत
- कोलाहल
- खलनायक
- सम्राट
- विनाश
- तानाशाह
- सुरमा
- कलियुग
- सीढांगी
- सर्वशक्तिमान
- चक्र
- मैडयूसा
- छोटा नागराज
- शोषनाग
- नागाधीश
- वर्तमान
- फलेमिना
- फुंकार
- वरण
- काण्ड
- ग्रहण
- काण्ड
- हरण
- काण्ड

नागराज के 30/- मूल्य वाले कॉमिक विशेषांक

- नागराज और सुपर कपांडो छुव
- नागराज और बुगाकू
- फिर आया नागदंत
- विजेता नागराज
- विसर्पी की शादी
- शाकूरा का चक्रव्यूह
- नागपाशा
- छाजाना
- स्नेक पार्क
- केंचुली
- प्रलय
- रक्षक नागराज
- जहरीले

- नाबी
- सपेरा
- फन
- विष-अमृत
- सम्मोहन
- नागराज और ड्रैकुला
- नागडीप
- त्रिफना
- महायुद्ध
- अग्रज
- नागराज का कहर
- तांडव
- दुश्मन नागराज
- शक्तिहीन नागराज

- कुडली
- ऐलान-ए-जंग
- काली मौत
- सो जा नागराज
- शेषनाग
- मानूपति का पिटारा
- हरी मौत



Now you can order all your favorite comics from our online book store
www.rajcomics.com

Now you can order all your favorite comics from our online book store www.rajcomics.com

कोई भी 100/- मूल्य से कम की कॉमिक्स हमसे डाक द्वारा मंगाने पर कॉमिक्स के मूल्य के साथ 20/- डाक खर्च भेजें।

कोई भी 100/- मूल्य या अधिक की कॉमिक मंगाने पर डाक खर्च मुफ्त!

आप अपनी पसंद की कॉमिक्स अग्रिम भुगतान भेजकर डाक द्वारा मंगा सकते हैं। अग्रिम भुगतान निम्नलिखित दो तरीकों से भेज सकते हैं।

1. निकटवर्ती पोस्ट ऑफिस से अपनी आदेशित कॉमिकों के मूल्य का मनीआर्डर राजा पॉकेट बुक्स 330/1, बुराड़ी, दिल्ली-84 के नाम बनवाकर, मनीआर्डर फार्म के संदेश वाले स्थान पर आदेशित पुस्तकों के नाम व अपना पता साफ-साफ लिखकर भेजें।

2. किसी भी बैंक से राजा पॉकेट बुक्स के नाम Payable at Delhi का ड्राफ्ट बनवाकर, पत्र के साथ जिसमें आपकी आदेशित पुस्तकों के नाम व आपका पता साफ-साफ लिखा होना आवश्यक है। भेजें।

प्रकाशक: राज कॉमिक्स (राजा पॉकेट बुक्स की एक इकाई)

330/1 बुराड़ी, दिल्ली-110084

फोन: 27611410 email: bizdev@rajcomics.com

दिल्ली में वितरक: नागराज नावलीज, 112, फर्स्ट फ्लोर, दरीबा कलां, दिल्ली-110006. फोन: 23251109, 23251092, 65172310, 32500860

आतंकवादी
बाहिराई



जहपीला बाह्रद

ADVENTURE IN WASHINGTON

World Terrorism



मैं हूँ
इन सबका ...

वर्ष 2007
में उपलब्ध

काल

अश्वराज गोजो भोकाल परमाणु इंस्पेक्टर स्टील सुपर इंडियन तिलिस्म देव

इन सभी पर भारी पड़ने आ रहा है रक्ष जाति का आखिरी राक्षस चंडकाल!

राज कॉमिक्स का एक अभूतपूर्व मल्टीस्टार विशेषांक।



पूरी दुनिया पर फैला
स्पाइडर का जाल!

क्या छिन्न भिन्न कर पाएगा
ध्रुव इसे, या स्पाइडर
सिद्ध होगा ध्रुव का काल?

W.W.W. वर्ल्ड वाइड वेब

मकड़ जाल
Part-3

पर जाल में छुपा है एक और जाल...

और राज कॉमिक्स का यह समापन विशेषांक सुना रहा है इस क्लाइमेक्स का आंखों देखा हाल!

ragendra
suohanshu